हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 175, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 11 दिसम्बर, 2021 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

जनरल बिपिन रावत पंचतत्व में विलीन, दी गई 17 तोपों की सलामी

राजनीतिक दलों का रहा जमावड़ा, सुबह से ही श्रद्धांजलि देने वालों का लगा रहा तांता

नई दिल्ली। सीडीएस जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत समेत सभी जवानों का अंतिम संस्कार आज पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। सुबह से ही सीडीएस रावत को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। उनके आधिकारिक निवास कामराज मार्ग पर लगातार गणमान्य लोगों ने अंतिम दर्शन किए। सीडीएस रावत को तीनों सेना प्रमुखों ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके पार्थिव शरीर को गन कैरिएज पर रख कर उनकी अंतिम यात्रा बरार स्क्वायर पहुंची। बरार स्क्वायर पर उन्हें 17 तोपों की सलामी दी गई। जनरल रावत की दोनों बेटियों ने उन्हें मुखाग्नि दी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व दिल्ली के सीएम केजरीवाल मौजूद हैं। सीडीएस की अंतिम विदाई पर भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने कहा कि यह बेहद दुखद है। वे अपने क्षेत्र में अग्रणी थे क्योंकि उन्होंने ज्वाइंट डिफेंस अप्रोच की शुरूआत की, जो यूनाइटेड किंगडम में भी अपनाई जाती है। यह सही अप्रोच है। भारत ने एक महान नेतृत्व खोया है, जो दुखद है। सीडीएस जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत के पार्थिव शरीर

को बेस अस्पताल से उनके आधिकारिक निवास कामराज मार्ग पर ले जाया गया। यहां पर गणमान्य लोगों के साथ आम आदमी भी उनका अंतिम दर्शन कर सकेंगे। यहां पर गृहमंत्री अमित शाह, एनएसए अजीत डोभाल, जम्मू कश्मीर और दिल्ली के उपराज्यपाल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और कांग्रेसी नेता राहुल गांधी, हरीष रावत समेत कई सांसदों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों में विदेशी राजनयिक भी शामिल हैं। यहां पर दोपहर डेढ़ बजे तक उनके अंतिम दर्शन किए जा सकेंगे। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को अंतिम यात्रा के लिए निकाला जाएगा और दो बजे अंतिम यात्रा बरार स्क्वायर पर पहुंचेगी। बता दें कि सीडीएस जनरल बिपिन रावत के दादा वायसराय के साथ में थे। उनके पिता सेना के डिप्टी चीफ थे जनरल रावत ने भी अपने पिता की गोरखा रेजीमेंट से ही शुरूआत की थी। उनके एक भाई भी कर्नल के पद से रिटायर हैं और उनके एक भतीजे सेना में कैप्टन हैं। इस हादसे में जान गंवाने वाले जनरल बिपिन रावत के सलाहकार ब्रिगेडियर एलएस लिड्डर का अंतिम संस्कार सुबह करीब 10:40 बजे दिल्ली कैंट के बरार स्क्वायर में कर दिया गया। इस मौके पर उनकी बेटी आशिना ने उन्हें अपना हीरो बताया। इस हेलीकाप्टर हादसे में जान गंवाने वाले कुछ जवानों के पार्थिव शरीर को उनके परिजनों के आग्रह पर उनके पैतृक स्थानों पर भेजा जा गया है। ब्रिगेडियर लखविंदर सिंह लिड्डर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा तीनों सेनाध्यक्षों, हरियाणा के मुख्यमंत्री, एनएसए अजीत डोभाल, सेना के अधिकारी और जवानों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। ब्रिगेडियर लखविंदर सिंह लिड्डर ने कांगों में यूएन मिशन के तहत अपनी सेवाएं दी थीं। उनका सहयोग चीन से लगती सीमा पर बेहतर रणनीति बनाने और जम्मू कश्मीर में आतंक विरोध अभियान की रणनीति बनाने में उनका अहम योगदान रहा था। वो सीडीएस जनरल बिपिन रावत के करीब डेढ़ वर्षों से मिलिट्री एडवाइजर थे।उनकी एक बेटी है। बेहद खुश-मिजाज और बहादुर जवान को आज देश नमन कर रहा है। बता दें कि ब्रिगेडियर लिड्डर के पिता भी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद प थे। कुछ ही समय में उनका मेजर जनरल पद के लिए प्रमोशन होने वाला था। वे पंचकुला के रहने वाले थे। ब्रिगेडियर एलएस लिद्दर की पत्नी गीतिका लिद्दर ने कहा कि हमें उसे एक अच्छी विदाई देनी चाहिए, मुस्कुराते हुए विदा करना चाहिए, मैं एक सैनिक की पत्नी हूं। यह एक बड़ा नुकसान है। उनकी बेटी आशिना ने इस मौके पर कहा कि उनके पिता उनके हीरो थे। वो 17 वर्षों तक हमारे साथ थे। उनकी बहुत अच्छी यादें हमारे बीच हैं। आशिना ने कहा कि वो उनके एक अच्छे दोस्त भी थे।

सीएम योगी पहुंचे आगराः शहीद पृथ्वी सिंह को दी श्रद्धांजलि, परिवार वालों को बंधाया ढांढस

आगरा। कुन्नूर हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए आगरा के विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान के सरन नगर स्थित आवास पर शुक्रवार शाम तकरीबन 3:36 बजे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने शहीद विंग कमांडर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने शहीद के पिता सुरेंद्र सिंह को ढांढस बंधाया। वह शहीद के घर के करीब 20 मिनट रुके। इसके बाद रवाना हो गए। विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान आगरा के सरन नगर (दयालबाग) के रहने वाले थे। सीडीएस बिपिन रावत के साथ वह भी बुधवार को हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हो गए थे। उनके निधन से सरन नगर की हर आंख नम है, गली में मातम छाया हुआ है। उनका पार्थिव शरीर देर रात तक आगरा पहुंचने की संभावना है। उनका अंतिम संस्कार अब ताजगंज शमशान घाट पर होगा। पहले पोइया घाट पर अंतिम संस्कार होना था। परिजनों की इच्छा अनुसार अंतिम संस्कार का स्थान बदला गया है। शुक्रवार सुबह शहीद विंग कमांडर के घर पर उनके परिजनों को सांत्वना देने के लिए कांग्रेस के पूर्व

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री, भंवर जितेंद्र सिंह और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा पहुंचे। उन्होंने शहीद के पिता को ढांढस बंधाया। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि पूरा देश शहीद के परिवार के साथ खड़ा है। हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान उनके परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। विंग कमांडर पृथ्वी सिंह 31 दिसंबर को आगरा स्थित अपने घर आने वाले थे। उन्हें पिता को जन्मदिन पर सरप्राइज देना था। उन्होंने परिजनों से यह बात साझा भी की थी, लेकिन पिता को बताने से मना किया था। बृहस्पतिवार सुबह इसकी जानकारी पिता को हुई। वह बार-बार यही कह रहे थे कि ऐसा सरप्राइज क्यों दे गया मेरा बेटा। पृथ्वी सिंह का जन्म एक कारोबारी परिवार में हुआ था लेकिन उनका जुनून तो जंगी जहाज उड़ाना था। हवा से बातें करना उन्हें पसंद था। बचपन से ही देशप्रेमी थे। आईएएफ (इंडियन एयरफोर्स) में जाना चाहते थे। यही कारण था कि उन्होंने आर्मी स्कूल में दाखिला लिया और फिर आगे की पढ़ाई करते हुए वायु सेना का रुख कर लिया। पृथ्वी एक उत्साही और निर्भीक योद्धा थे।

24 नवंबर तक दो देशों में थे ओमिक्रोन के मामले, अब 59 देशों में फैला कोरोना का नया वैरिएंट : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक ओमिक्रोन के 25 मामले दर्ज किए गए हैं। सभी मामलों में

हल्के लक्षण पाए गए हैं। दुनियाभर में 59 देशों में ओमिक्रोन के मामले पाए गए हैं। कोरोना के मामलों की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि पिछले हफ्ते देश में कुल पाजिटिविटी रेट 0.73 फीसद रही है। पिछले 14 दिनों में 10,000 से कम मामले सामने आए हैं। सक्रिय मामले दो राज्यों में सबसे अधिक हैं। ये दो राज्य केरल और महाराष्ट्र हैं। केरल में 43 फीसद से अधिक सक्रिय मामले और महाराष्ट्र 10 फीसद से अधिक सक्रिय मामले हैं। लव अग्रवाल ने बताया कि 24 नवंबर तक दो देशों में ओमिक्रोन के मामले दर्ज किए थे। अब 59 देशों में ओमिक्रोन के मामले दर्ज किए हैं। इन 59 देशों में 2,936 ओमिक्रोन के मामले सामने आए हैं। इसके अलावा 78,054 संभावित मामलों का पता चला है, इनकी जीनोम सिक्वेंसिंग जारी है। साथ ही उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने इस बात पर जोर डाला है कि टीकाकरण के अलावा सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का निरंतर आधार पर पालन किया जाना चाहिए। पर्याप्त सावधानियों का पालन करना होगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों में ढिलाई के कारण यूरोप में कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई है। ओमिक्रोन के प्रति सतर्कता को लेकर स्वास्थ्य सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश में स्क्रीनिंग, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की पूरी तरह निगरानी की जा रही है। राज्यों को अपनी निगरानी बढ़ाने और अन्य देशों से आने वाले यात्रियों का सक्रिय परीक्षण करने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से किसी किसान की मौत नहीं हुई: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि किसानों के साल भर के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई के कारण किसी किसान की मौत नहीं हुई। विभिन्न किसान समूह तीन नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे थे, जिन्हें अब समाप्त कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस मामले वापस लेने और न्यूनतम समर्थन मूल्य सहित उनकी प्रमुख लंबित मांगों को स्वीकार करने के बाद, संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा दिल्ली की सीमाओं पर साल भर के विरोध को गुरुवार को निलंबित कर दिया गया था। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा, 'किसान आंदोलन में मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजे आदि का विषय संबंधित राज्य सरकारों के पास है।' उन्होंने कहा, 'किसानों के आंदोलन के दौरान पुलिस की कार्रवाई में किसी किसान की मौत नहीं हुई।' तोमर कांग्रेस नेता धीरज प्रसाद साहू और आप नेता संजय सिंह के संयुक्त सवाल का जवाब दे रहे थे। सदस्यों ने पूछा था कि क्या सरकार किसानों के विरोध के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को आजीविका मौद्रिक मुआवजे के लिए कोई प्रावधान या प्रावधान करने की योजना बना रही है। कांग्रेस समेत विपक्षी दल साल भर से चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों की मौत का मुद्दा उठाते रहे हैं। एसकेएम, जिसने अपनी प्रमुख लंबित मांगों को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार से एक औपचारिक पत्र प्राप्त करने के बाद विरोध प्रदर्शन को स्थगित कर दिया, ने गुरुवार को यह भी कहा कि किसान 11 दिसंबर को 'विजय दिवस' के रूप में मनाएंगे और विजय मार्च निकालेंगे जिसके बाद वे घर जाएंगे। बता दें कि रडट 40 फार्म यूनियनों का एक छत्र निकाय है। हजारों किसान, मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के, तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर नवंबर 2020 के अंत से दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

राबड़ी के भाई की बगावत, साधु बोले- लालू की बेटियों की खोलूंगा पोल, तेजस्वी का जूते से पटना में करूंगा स्वागत

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरुवार को रचेल के साथ विवाह के बंधन में बंध गए। हरियाणा की रहने वाली रचेल का परिवार दिल्ली में रहता है। तेजस्वी यादव के साथ वह दिल्ली के आरके पुरम स्थित डीपीएस में पढ़ती थीं। विवाह समारोह में परिवार के सदस्यों को ही निमंत्रण दिया गया था। लालू के बेटे की शादी के 24 घंटे बीतने से पहले ही मामा साधु यादव बगावत पर उतर आए। मीडिया से बात करते हुए राबड़ी देवी के भाई व राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व सांसद साधु ने कहा कि दूसरे धर्म में शादी करने के बाद अब तेजस्वी बिहार का मुख्यमंत्री बनने का सपना देखना छोड़ दें। पटना आने पर उनका जूते-चप्पलों से स्वागत किया जाएगा। लालू की एक-एक बेटियों का नाम लेते हुए साधु ने कहा कि मैं सब जानता हूं, सारी भांजियों की पोल खोल दूंगा। साधु ने तेजस्वी से पूछा कि क्या यादव

समाज में लड़कियों की कमी थी जो ईसाई से उन्हें शादी करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि राजद सुप्रीमो बरसों तक यादवों की जरिए ही सत्ता में बने रहे, अब किस हक से तेजस्वी वोट मांगेंगे? साधु ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को अब बिहार का मुख्यमंत्री बनने का सपना देखना छोड़ देना चाहिए, क्योंकि वह अब क्रिश्चियन हो गए हैं। शादी के बाद दिल्ली से बिहार आने पर मुलाकात करने से जुड़े सवाल पर साधु ने कहा कि तेजस्वी जब पटना आएंगे तो उनका जूते-चप्पलों से स्वागत किया जाएगा। साधु इतने में ही नहीं रुके उन्होंने कहा कि लालू दूसरों को भकचोन्हर कहते हैं, असली भकचोन्हर तो उनका बेटा तेजस्वी है। साधु ने लालू-राबड़ी की बेटियों का नाम लेते हुए कहा कि किसने क्या-क्या किया है मैं सब जानता हूं। एक-एक करके सबकी पोल खोल दूंगा। साधु ने जगदानंद सिंह को भी आड़े हाथ लिया। कहा कि उत्तर प्रदेश में जैसे अमर सिंह ने मुलायम सिंह को बरबाद कर दिया वैसे ही जगदानंद सिंह कर रहे हैं।

महिला आरक्षण पर सहमति जरूरी, लाए गए तीन विधेयक; नहीं हो सके पारित : रिजिजू

नई दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक पर राजनीतिक दलों की सहमति जरूरी है। यह बात केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री किरण रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में कही। उन्होंने कहा कि लैंगिक न्याय सरकार की प्रतिबद्धता है, लेकिन इस विधेयक पर सभी राजनीतिक दलों के बीच सहमति चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि अतीत में संसद में महिला आरक्षण को लेकर तीन विधेयक पेश किए गए, लेकिन किसी न किसी कारण ये पारित नहीं हो सके। इस मुद्दे पर संविधान में संशोधन के लिए संसद में कोई विधेयक लाने से पहले सभी राजनीतिक दलों के बीच सहमति के आधार पर सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श की जरूरत है। रिजिजू ने जोर देकर कहा, 'लैंगिक न्याय सरकार की महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता है।' बता दें कि गत माह सर्वदलीय बैठक में कई दलों के सदस्यों ने संसद के शीत सत्र में ही महिला आरक्षण बिल लाने की मांग की थी। राज्यसभा यह बिल पारित कर चुकी है और इसे अनुमोदन के लिए लोकसभा भेजा गया था जो समय से पारित न होने पर निष्प्रभावी हो गया है। सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस, वाईएसआर कांग्रेस और द्रमुक ने सुझाव दिया था कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान महिला आरक्षण संबंधी विधेयक चर्चा के लिए लाया जाए। इन दलों ने कहा कि यह सही वक्त है जब देश के नीति निर्माण के कार्यों में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए। उल्लेखनीय है 15वीं लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक तथा इससे संबंधित 108वां संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका जो 2010 से ही निचले सदन में लंबित था । उक्त विधेयक में लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में 15 वर्षो के लिए महिलाओं के 33 फीसद आरक्षण का प्रस्ताव किया गया था। गौरतलब है कि किसी भी लंबित विधेयक की मियाद लोकसभा के भंग होने के बाद समाप्त हो जाती है।

सीएम योगी ने कहा- बगैर शिक्षा के समृद्ध नहीं हो सकता कोई भी समाज

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सामाजिक क्रांति शिक्षा के बगैर संभव नहीं है। शिक्षा सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करने का माध्यम है। गोरक्षपीठ ने सदैव उन रूढ़ियों का विरोध किया है जो सामाजिक एकता में बाधक रही हैं। गोरक्षपीठ ने शिक्षा को सर्वांगीण विकास का माध्यम बनाने के लिए ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। सीएम योगी शुक्रवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 89वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा, कौशल एवं उद्यमिता विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के बिना कोई भी समाज सभ्य और संस्कारयुक्त होने की कल्पना नहीं कर सकता और जब सभ्यता और संस्कार नहीं होगा तो समाज में समृद्धि कहां से आएगी। कहा कि 1932 में जब युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नींव रखी होगी तो उनके मन में यही भाव रहा होगा कि आजाद भारत के नागरिकों का स्वरूप क्या हो। आज परिषद की संस्थाएं उनके भाव का साकार रूप में प्रतिनिधित्व कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा धर्म हमें सिर्फ उपासना विधि तक सीमित नहीं रखता। हमारा दर्शन धर्म की व्याख्या विराट रूप में जाता है भारतीय मनीषा ने सिर्फ उपासना विधि को संपूर्ण धर्म नहीं माना। यतो अभ्युदयनिःश्रेय

स सिद्धिःस धर्मः की व्याख्या करते हुए सीएम योगी ने कहा कि धर्म अभ्युदय अर्थात सर्वांगीण विकास का मार्ग है। यह संस्कारित उत्कर्ष का महत्वपूर्ण पहलू है। अभ्युदय चार पुरुषार्थो धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि पुण्य से कोई रोक नहीं सकता और पाप से कोई वंचित नहीं कर सकता। सीएम योगी ने कहा कि धर्मस्थलों का स्वरूप सिर्फ पूजा के स्थलों तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि इसे नेतृत्व करते दिखाई देना चाहिए। गोरक्षपीठ के संतों-महंतों का यही ध्येय रहा। गोरक्षपीठ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के जरिये न केवल शिक्षा वरन आरोग्यता और समाज सेवा को भी समर्पित है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश के नागरिक का स्वरूप क्या हो, इसी को ध्यान में रखकर युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में शिक्षा परिषद का नामकरण महानायक महाराणा प्रताप के नाम पर किया। आत्म बलिदान और शौर्य की चर्चा का नाम है महाराणा प्रताप। महाराणा प्रताप ने स्वदेश और स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं माना। उनके नाम पर स्थापित इस शिक्षा परिषद राष्ट्रीयता से ओतप्रोत प्राचीन गुरुकुल पद्धति का नवीनतम रूप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो चुकी है। हरेक संस्था को चाहिए कि वह सरकार की इस नीति की मंशा के अनुरूप कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के जब तक परिणाम आएंगे, तब तक महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा।

भारत ने काबुल से अफगान नागरिकों सहित लगभग 110 लोगों को एयरलिफ्ट किया

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के काबुल से हिंदू और सिख समुदायों के अफगान नागरिकों सहित लगभग 110 लोगों को लेकर चला एक विशेष विमान शुक्रवार को यहां पहुंचने वाला है। भारत सरकार द्वारा चार्टर्ड उड़ान काबुल से संचालित की जा रही है और दोपहर के आसपास यहां पहुंचने की संभावना है। इंडिया वर्ल्ड फोरम के एक बयान के अनुसार, फ्लाइट वहां फंसे भारतीय नागरिकों और हिंदू और सिख समुदाय के व्यथित अफगान नागरिकों को भारतीय नागरिकों के जीवनसाथी के साथ वापस ला रही है। अफगानिस्तान में ऐतिहासिक गुरुद्वारों से तीन श्री गुरु ग्रंथ साहिब और प्राचीन 5 वीं शताब्दी के असमाई मंदिर, काबुल से रामायण, महाभारत और भगवद गीता सहित हिंदू धार्मिक ग्रंथों को भी भारत लाया जा रहा है। इंडिया वर्ल्ड फोरम ने कहा कि उनके आने के बाद अफगान नागरिकों का सोबती फाउंडेशन द्वारा पुनर्वास किया जाएगा। बयान में कहा गया, 'यह उल्लेख करना उचित है कि गुरुद्वारा गुरु हर राय (शोर बाजार, काबुल) में आतंकवादी हमले के दौरान मारे गए स्थानीय सुरक्षा गार्ड महरम अली के परिवार को भी सुविधा दी जा रही है और एयरलिफ्ट किया जा रहा है और उन्हें सोबती फाउंडेशन द्वारा पुनर्वास किया जाएगा।' श्री गुरु ग्रंथ साहिब गुरुद्वारा गुरु अर्जन देव जी, महावीर नगर की ओर और हिंदू धर्मग्रंथ फरीदाबाद के असमाई मंदिर की ओर बढ़ेंगे। काबुल में तालिबान लड़ाकों का राज होने के बाद भारत ने अफगानिस्तान से 565 फंसे हुए लोगों को निकाला है। यह सरकार ने पिछले सप्ताह लोकसभा में कहा था। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन के एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि विदेश मंत्रालय के अधिकारी पीछे छूटे भारतीयों के संपर्क में हैं। हालांकि, बयान में यह विस्तार से नहीं बताया गया कि क्या एयरलिफ्ट किए गए व्यक्तियों में कुछ अफगान भी शामिल हैं।

चिंतन मनन

जांच से न भागें

देश में ओमिक्रॉन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक पांच राज्य इस वैरिएंट की चपेट में आ चुके हैं। सरकारें अलर्ट हो गई हैं और सतर्कता बढ़ा रही हैं। वैज्ञानिक देश में तीसरी लहर आने की चेतावनी दे रहे हैं। मगर आमजन इस वैरिएंट को लेकर गंभीर नहीं हैं। इस वैरिएंट को फैलने से रोकने के लिए सबसे कारगर उपाय टेस्ट है, मगर जांच और इलाज से भागने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। हवाई अड्डों पर जहां-जहां कड़ाई बढ़ी है, वहां लोग सहयोग के बजाय परेशानी का इजहार करने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि विदेश से आने वाले लोगों की निगरानी बढ़ाकर ही हम ओमिक्रॉन के खतरे पर काबू पा सकते हैं। यह खबर बहुत ही चिंताजनक है कि कर्नाटक के बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीकी देशों से आए 10 विदेशी नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। बेंगलुरु महानगरपालिका और वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। दरअसल, बेंगलुरु में ही ओमिक्रॉन का भारत में पहला मामला मिला है। दक्षिण अफ्रीका से ही ओमिक्रॉन की भारत में घुसपैठ हुई है। ऐसे में, विदेशी नागरिकों का गायब होना किसी अपराध से कम नहीं है। जो लोग बीमारी छिपाकर या किसी प्रकार की जांच से बचकर भाग रहे हैं, वे इस समाज और देश के दुश्मन हैं। उन्हें अगर कड़ा दंड दिया जाए, तो गलत नहीं होगा। यही नहीं, जो लोग किसी भी प्रकार की जांच से मुंह चुराकर अपने घर-परिवार में लौट जा रहे हैं, वे अपने परिजनों के भी शुभचिंतक नहीं हैं। पुलिस भले ही संदिग्धों तक पहुंच जाए, लेकिन सच यही है कि दक्षिण अफ्रीका से आए विदेशी तो फोन भी नहीं उठा रहे थे। मतलब, उन्हें अपनी या अपने लोगों की जान की कोई चिंता नहीं थी। ध्यान रहे, दूसरी लहर के पहले भी बड़े पैमाने पर लोग जांच और इलाज से भाग रहे थे। शायद ही कोई ऐसा राज्य था, जहां लोग अपने और दूसरों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर थे। पिछले साल अप्रैल में लापरवाही समझ से परे हो गई थी। जांच से बचने के लिए 385 यात्री सिलचर हवाई अड्डे से भाग खड़े हुए थे। तब अधिकारियों ने कहा था कि उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी, लेकिन लोगों को कोई कार्रवाई नजर नहीं आई। भागने वालों के खिलाफ कश्मीर से लेकर केरल तक कोई आदर्श कार्रवाई नहीं हुई। नतीजा सामने है, ओमिक्रॉन की वजह से जब जांच तेज हुई है, तो लोग फिर भागने-बचने में लग गए हैं। काश! लोग जांच से भागे नहीं होते, इलाज बीच में छोड़ नहीं जाते, तो बहुत संभव है, दूसरी लहर का कहर कुछ कम होता। आशंकाओं का बाजार गरम है, क्या ओमिक्रॉन की वजह से तीसरी लहर आने वाली है? क्या फिर लॉकडाउन लगने वाला है? क्या भव्य उत्सवों-आयोजनों पर फिर गाज गिरने वाली है? क्या यात्राओं पर फिर लगाम कसने वाली है? लोगों को पूरी सावधानी से जांच में सहयोगी बनना चाहिए। कोरोना दिशा-निर्देशों की पालना करना और इलाज कराना आज देश सेवा से कम नहीं है। मामले बढ़ने के बाद हम कड़ाई बरतेंगे, तो कोई फायदा नहीं। खतरा बढ़ने से पहले ही सरकार को अपने इंतजाम पूरे रखने चाहिए, ताकि विदेश से आने वाले लोगों की सही जांच हो, उन्हें क्वारंटीन किया जाए। यदि जांच या क्वारंटीन करना मुमकिन नहीं है, तो फिर विदेश से आने वाली उड़ानों को रोकने से बेहतर कोई उपाय नहीं है। कम से कम उन देशों से आने वाली उड़ानों को रोक देना चाहिए, जहां ओमिक्रॉन घुसपैठ कर चुका है। घुसपैठ तो हमारे यहां भी हो गई है, लेकिन क्या हम पूरी तरह से सचेत हैं? क्या हम अपना और अपनों का बचाव करने लगे हैं?

भारत मां के लाल !

मरते नहीं वीर ।
अमर हैं हो जाते ।।
जाते वक्त लेकिन ।
सबको हैं रूलाते ।।
गूंजेगी गाथाएं ।
पर अनंतकाल ।।
कर्ज हैं उतारे ।
भारत मां के लाल ।।
अंतिम क्षण तक डटे रहे ।
अपने ये जांबाज ।।
पर सबको रुला गया ।
जाने का अंदाज ।।
वीर सैनिकों को नमन ।
देते हम विदाई ।।
है गम का माहौल ।
घड़ी ऐसी आई ।।

–कृष्णेन्द्र राय

क्या वायु प्रदूषण की 'स्थाई चादर' लपेट चुका है 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र'

अन्य विकासशील देशों की ही तरह भारत भी निरंतर वायु प्रदूषण की चपेट में रहने वाले देशों की सूची में अपना नाम शामिल करा चुका है। खास तौर पर दिल्ली व उसके आस पास का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरा वर्ष और चौबीस घंटे घोर प्रदूषण की चपेट में रहने लगा है। दिल्ली में हवाई जहाज से बाहर निकलते ही ऐसा महसूस होने लगता है कि आप किसी जहरीली गैस चैम्बर में प्रवेश कर चुके हैं। गत तीन दशकों से हालांकि एन सी आर में फैले इस प्रदूषण के लिये आँख मूँद कर हरियाणा -पंजाब के किसानों को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता था। बताया जाता था कि फसल काटने के बाद खेतों में बची पराली को जलाने से फैलने वाला धुआंयुक्त प्रदूषण दिल्ली परिक्षेत्र को अपनी आगोश में लेता है। केंद्र सरकार ने भी पूर्व में यही दावा था कि वायु प्रदूषण बढ़ाने में पराली का योगदान 25-30% है।

परन्तु पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इसी संबंध में चल रही एक सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का ताजा दावा था कि प्रदूषण फैलाने में पराली का योगदान मात्र 10 प्रतिशत है। परन्तु साथ ही अपने लिखित हलफनामे में केंद्र ने यह दावा भी किया कि प्रदूषण में पराली का योगदान मात्र 4% ही है। देश की सर्वोच्च अदालत केंद्र के शपथ पत्र के अनुसार यह भी कह चुकी है कि 75 प्रतिशत वायु प्रदूषण उद्योग, धूल तथा परिवहन जैसे तीन मुख्य कारण के चलते है। जहां तक किसानों को प्रदूषण के लिये जिम्मेदार ठहराने का प्रश्न है तो इसे यूँ भी समझा जा सकता है कि किसान अपनी फसल का बचा हुआ कचरा अर्थात पराली आदि तो वर्ष में एक ही दो बार जलाते हैं जबकि दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरे वर्ष ही चौबीसों घंटे प्रदूषण की गिरफ़्त में रहता है ?

दिल्ली,फरीदाबाद,गुड़गांव,नोएडा,गाजियाबाद,सोनीपत आदि राजधानी के किसी भी निकटवर्ती क्षेत्र में चले जाइये,हर जगह वही गैस चैंबर जैसे हालात नजर आते हैं। जहां आम लोग

अपने मकानों के दरवाजे व खिड़कियां इसलिये खोलते हैं ताकि ताजी व स्वच्छ हवा का घरों में प्रवेश हो सके वहीं एन सी आर की स्थिति ठीक इसके विपरीत हो चुकी है। घरों के दरवाजे व खिड़कियां खुलते ही जहरीली,रसायन युक्त प्रदूषित हवा इन घरों में प्रवेश कर जाती है। गगनचुंबी रिहाइशी फ़्लैट्स की किसी भी मंजिल पर खिड़की-दरवाजा खुलते ही धुंआ युक्त गैस फ़्लैट्स के भीतर प्रवेश करती है। गोया राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का रहने वाला कोई भी व्यक्ति ताजी व प्रदूषण मुक्त हवा का भी मोहताज बनकर रह गया है। इन इलाकों में लाखों वाहन चौबीस घंटे सड़कों पर दौड़ते हैं। हजारों छोटे बड़े उद्योग अपनी चिमनियों से धुआं उगलते हैं। एन सी आर क्षेत्र में बसने वाले लाखों कबाड़ी रोजाना सारा दिन और प्रायः रात भर लोहे-तांबे-पीतल की तार आदि निकालने हेतु टायरों तथा बिजली व फोन के तारों आदि में आग लगाते रहते हैं। सुनाई तो यह भी देता है कि पुलिस व प्रशासन की मिली भगत से कई जगह प्रदूषण फैलाने की खुली छूट दी जाती है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत घरों से कूड़ा संग्रह करने की योजना के बावजूद अभी भी अनेक लोग यहाँ तक कि प्रायः स्वयं सफाई कर्मी भी कूड़े की ढेरियां बनाकर उसे आग के हवाले कर देते हैं। एन सी आर क्षेत्र में पड़ने वाले ईंटों के भट्टे भी यहां का प्रदूषण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रतिदिन दिल्ली व हिण्डन एयरबेस से चढ़ने व उतरने वाले हजारों विमानों द्वारा दिन रात छोड़े जाने वाले जहरीले गैसयुक्त प्रदूषण की कोई चर्चा नहीं होती। अति विशिष्ट तथा विशिष्ट व्यक्तियों के काफिले में आगे पीछे दौड़ने वाले वाहनों के प्रदूषण फैलाने का जिक्र कहीं नहीं सुनाई देता। चार्टर्ड विमानों से प्रदूषण नहीं बल्कि शायद सुगन्धित स्वच्छ ऑक्सीजन का स्प्रे होता होगा तभी इसके प्रदूषण की चर्चा कभी नहीं सुनी गयी। प्रतिदिन लाखों नये वाहन सड़कों पर निकलकर प्रदूषण नहीं फैलाते बल्कि किसानों के दस वर्ष पुराने गिनती के ट्रैक्टर प्रदूषण फैलाने के असली जिम्मेदार हैं ? पिछले दिनों देश के इतिहास में पहली बार दिल्ली को केवल वायु प्रदूषण के चलते लॉक डाउन का सामना करना पड़ा। सभी स्कूल कॉलेज बंद कर दिये गए थे। दिल्ली सरकार का सुझाव था कि दिल्ली में सप्ताह में दो दिन प्रदूषण लॉकडाउन लगाया जा सकता है। परन्तु अदालत का मत था कि अकेले दिल्ली को ही लॉक करने से कोई लाभ नहीं होगा। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, फरीदाबाद, गाज़ियाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में भी इस नियम का पालन करना होगा। अदालत का मत था कि -' यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। एक बड़े इलाके को बिना किसी ठोस वजह के बंद नहीं किया जा सकता। इसलिए सरकारों को लॉक डाउन के अतिरिक्त भी कुछ अन्य वैकल्पिक उपायों पर भी सोचना होगा।'

मानव जनित प्रदूषण समस्या ने ही आज दिल्ली परिक्षेत्र की यह स्थिति कर दी है कि लोग कार पूल पर विचार करने लगे हैं। सरकार को इसी स्थिति से निपटने के लिये कभी कभी वाहनों हेतु सम विषम (ऑड-इवेन) की नीति लागू करनी पड़ती है। कोरोना से रक्षा हेतु लगाया जाने वाला मास्क लगता है प्रदूषण के चलते अब इंसानी जरूरत का स्थान लेने वाला है। साँस की बीमारी,दमा,फेफड़े की प्रदूषण जनित तमाम बीमारियों में इजाफा होता जा रहा है। छोटे बच्चे और बुजुर्ग इसकी चपेट में कुछ ज्यादा ही आ रहे हैं। निरंतर बढ़ते जा रहे शहरीकरण के चलते हरित क्षेत्र घटता जा रहा है जोकि मानव जीवन के लिये ऑक्सीजन देने व कॉर्बन डाई ऑक्साइड जैसी प्रदूषित गैस को ग्रहण करने का सबसे प्रमुख स्रोत है। बहरहाल,पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इस विषय पर हुई बहस व सरकार द्वारा रखे गये पक्ष के बाद किसानों को दिल्ली परिक्षेत्र का प्रदूषण बढ़ाने का जिम्मेदार ठहराने की साजिश का तो पटाक्षेप जरूर हो गया है परन्तु इसके बाद अब यह सवाल और भी प्रबल हो चुका है कि क्या 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ' दिल्ली,वायु प्रदूषण की स्थाई चादर लपेट चुका है।

हथियारों की अंधी दौड़ में दौड़ती-हाँफती दुनिया मे मानवाधिकारो की बात बेमानी है

एक सभ्य सुसंस्कृत समाज में मनुष्य के आधारभूत अधिकारों की संकल्पना अत्यंत प्राचीन काल से लगभग समस्त धार्मिक ग्रन्थों, महावीर स्वामी, महात्मा बुद्ध, मुहम्मद साहब और ईसामसीह जैसे धर्म प्रवर्तकों , सुप्रसिद्ध संतों और मानवतावादी विचारकों के उपदेशो और विचारों में किसी न किसी रूप में अवश्य रहीं हैं। परन्तु आधुनिक अर्थो में जन्मजात और अहरणीय मानवाधिकारो के स्वरूप और सिद्धांत पर सार्वभौमिक सहमति द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत निर्मित संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशो के मध्य 10दिसंबर 1948 मे बनी। 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने मनुष्य के कुछ जन्मजात और अहरणीय अधिकारों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया,अंगीकार किया उद्घोषणा किया तथा सदस्य देशों के बाध्यकारी किया। सदस्य देशों ने सामूहिक सहमति के आधार पर तय किया गया कि- स्थानीय, प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों द्वारा विश्व के प्रत्येक मनुष्य के इन जन्मजात और अहरणीय अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। इसी उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। मानवाधिकारो की इस उद्घोषणा की अनुपालना में दुनिया के लगभग सभी आधुनिक सभ्य और लोकतांत्रिक देशों ने अपने-अपने संविधान में जाति, धर्म, भाषा, लिंग, क्षेत्र,रंग और अन्य संकीर्णताओं से उपर उठकर समुचित प्रावधान किया है।आज मानवाधिकार दिवस के दिन अमन और शांति के लिए प्रयास करने वालों और मानवता को बचाने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाता हैं।

प्राचीन यूरोप के ज्ञान-विज्ञान के पालना के नाम से विख्यात यूनान के सोफिस्ट दार्शनिक प्रोटेगोरस ने कहा था कि-" मनुष्य समस्त वस्तुओं का मापदंड है । प्राचीन यूनान में

10 दिसंबर-मानवाधिकार दिवस

ही सुकरात ने यूनानी समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और प्रचलित असंगत रूढियों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अभिव्यक्ति के अधिकार के लिए जहर का प्याला पी लिया। सुकरात के इस साहसिक त्याग से अभिव्यक्ति के अधिकार का विचार अंकुरित हुआ। प्राचीन भारत में सम्राट अशोक की धम्मपद की घोषणाओं में भी मनुष्य के जन्मजात और अहरणीय मानवाधिकारों का उल्लेख मिलता है। परन्तु सुसंगठित, सैद्धान्तिक और आधुनिक स्वरूप में मानवाधिकारो के उदय की परिघटना यूरोप के पुनर्जागरण के उपरांत की है। द टवैल्व आर्टिकल्स ऑफ ब्लैक फारेस्ट को मानवाधिकारो की दिशा में पहला दस्तावेज माना जाता है। यह दस्तावेज वस्तुतः जर्मनी में 1525 किसानों के संघर्ष के दौरान किसानों की मांग के एक हिस्से के रूप में जाना जाता है है। इसके उपरांत इंग्लैंड में ब्रिटिश बिल ऑफ राइट्स के माध्यम से नागरिक अधिकारों की संकल्पना को मजबूती मिलीं। मानवाधिकारो की संकल्पना को सर्वाधिक लोकप्रिय और व्यापक बनाने मे 1776 मे अमरीका के स्वाधीनता संग्राम और 1789 में सम्पन्न होने वाली फ्रांसीसी क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व के नारे के साथ विशेषाधिकारो के विरुद्ध प्रखर संघर्ष किया। अनवरत संघर्षों और अनगिनत कुर्बानियों के उपरांत वैश्विक स्तर पर स्थापित मानवाधिकार तब तक सार्थक और सफल नहीं हो सकते हैं जबतक दुनिया में साम्राज्यवादी विस्तारवादी दृष्टिकोण, आतंकवाद, सैनिक तानाशाहियॉ, सीमाओं और सरहदो पर तनाव तथा नस्ल प्रजाति और धर्म के नाम पर रक्तरंजित संघर्ष कायम हैं। दुनिया के ताकतवर देश कमजोर देशों को भयाक्रांत करने तथा दुनिया में अपनी दादागिरी कायम करने के लिए एक से एक अत्याधुनिक किस्म के घातक हथियारों का निर्माण कर रहे हैं।

आदिम युग के अनपढ़,असभ्य और सभ्यता तथा संस्कृति से पूर्णत अनभिज्ञ मानव ने महज पत्थर के औजार बनाऐ। ये औजार आदिम मनुष्य ने जंगली जानवरों का शिकार करने और आत्म रक्षा हेतु बनाये। आज आधुनिक युग का शिक्षित सभ्य सुसंस्कृत तथा ज्ञान विज्ञान तकनीकी से पूर्णतः मर्मज्ञ मानव अत्यधिक मारक क्षमता वाले प्रक्षेपास्त्र मिसाइलें और विनाशक हथियारों और पलक झपकते शहर को तहस-नहस कर देने वाले परमाणु बम और हाइड्रोजन बन बना रहा है। निश्चित रूप से इन समस्त विनाशक हथियारों का निर्माण किसी जंगली जानवर को मारने के लिए नहीं बल्कि स्वयं को मारने के लिए कर रहा है। विनाशक हथियारों की उत्तरोत्तर बढती प्रतियोगिता और प्रतिस्पर्धा के दौर में मानवाधिकारो पर विचार करना बेमानी लगता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार आयोग कार्यरत है और संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्देश पर लगभग सभी देशों में राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर पर मानवाधिकार आयोग कार्यरत है परन्तु मानवाधिकार के उल्लंघन की उत्तरोत्तर बढती घटनाएं हमें इमानदारी से मानवाधिकारो पर चिंतन करने के लिए विवश करती हैं।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
बापू स्मारक इंटर कांलेज दरगाह मऊ।

लव जिहाद : हिन्दू बहू तो चाहिए, पर हिन्दू दामाद नहीं! विषय पर ऑनलाइन विशेष संवाद!

लव जिहाद के विरोध में देशव्यापी कानून बनाएं !- महंत यति मां चेतनानंद सरस्वती

विगत 1400 वर्षों से हिन्दू युवती और महिलाओं के विरोध में जिहाद चलाया जा रहा है । हिन्दू युवतियों को फुसलाकर, फंसाकर लव जिहाद के जाल में उलझाया जाता है । उनसे विवाह कर बाद में उनका शोषण किया जाता है । अब इसकी

सीमा पार हो गई है । लव जिहाद के अंतर्गत निकिता तोमर, तनिष्का शर्मा इन युवतियों के हत्याओं की हाल ही की घटनाओं से जिहादियों के मनोबल में वृद्धि हुई है। हिन्दू युवतियों और महिलाओं के बारे में लव जिहाद एक राज्य की समस्या न हो कर राष्ट्रीय समस्या है । इसलिए पूरे देश में लव जिहाद विरोधी कानून बनाया जाएं, ऐसी मांग गाजियाबाद की डासना देवी मंदिर की महंत यति मां चेतनानंद सरस्वती ने की । वे हिन्दू जनजागृति समिति आयोजित लव जिहाद : हिन्दू बहू चाहिए, पर हिन्दू दामाद नहीं ! इस विषय पर आयोजित ऑनलाइन विशेष संवाद को संबोधित कर रही थी ।

महंत यति मां चेतनानंद सरस्वती ने आगे कहा कि, विवाह और निकाह में क्या अंतर है, यह हिन्दू अभिभावकों ने अपने बच्चों को सिखाया ही नहीं । जो हिन्दू युवक मुसलमान युवतियों से विवाह करते है, उनकी हत्या की जाती है, ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई है । हिन्दुओं ने अब बचावात्मक भूमिका छोडकर अपनी युवतियों की रक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए ।

सनातन संस्था की प्रवक्ता कु. कृतिका खत्री ने कहा कि विवाह के उपरांत हिन्दू स्त्रियों को अर्धांगिनी का पद देते हैं । लव जिहाद एक षड्यंत्र है, जिससे हिन्दू युवतियों को बचाने की आवश्यकता है । इस विषय में समाज में जागृति करनी चाहिए । अपनी बेटीयों को धर्मशिक्षा देकर उन पर उचित संस्कार करना चाहिए । साधना के कारण हम लुप्त संतुलन पुनः प्राप्त कर सकते हैं । यदि हमने हिन्दू धर्म के विषय में हिन्दू युवतियों को नहीं सिखाया, तो धर्माभिमान हीन हिन्दू युवतियों को कोई भी बहलाकर भगाकर ले जाएगा । इस्लाम क्या है ? उसमें महिलाओं के साथ किस प्रकार का वर्तन किया जाता है ? यह भी हमारी युवितयों को बताने की आवश्यकता है ।

लव जिहाद भारत की जनगणना का संतुलन बिगाड रहा है ! - श्री. समीर चाकू

हिन्दू युवतियों को फंसाने का लव जिहाद सामूहिक षड्यंत्र है । हिन्दू युवक होने का ढोंग कर मुसलमान युवक हिन्दू युवितयों को नियोजित षड्यंत्र में फंसा रहे हैं । हिन्दू युवतियों को मुसलमान युवक से शरियत कानून के अनुसार निकाह करना पडता है । इस निकाह के उपरांत भी उस महिला को संपत्ति अथवा अन्य अधिकार नहीं मिलते, यह ध्यान रखना चाहिए । हिन्दू युवतियों से निकाह कर उनका शोषण कर उनकी हत्या की जाती है, उनसे वेश्या व्यवसाय करवाया जाता है, ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई है । लव जिहाद भारत की जनगणना का संतुलन बिगाड रहा है, ऐसा द लीगल हिन्दू के सहसंस्थापक और राष्ट्रीय समन्वयक श्री. समीर चाकू ने कहा ।

यूँ पूरे देश को गमजदा कर क्यूँ चले गए जनरल रावत...!!!

अलविदा जनरल!!! किसी ने अपना भाई खोया, किसी ने भतीजा, किसी ने दोस्त तो किसी ने काबिल अफसर, देश ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष यानी चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ (सीडीएस) खोया तो मेरे शहडोल ने अपने दामाद और बेटी को खोया। जैसे ही टीवी पर खबरिया चैनलों ने चल रहे कार्यक्रमों को रोका यहाँ तक ब्रेक को खत्म कर ब्रेकिंग खबर दी कि सीडीएस बिपिन रावत उनकी पत्नी और शहडोल की बेटी मधुलिका को लेकर जा रहा देश में सबसे उन्नत हैलीकॉप्टर एमआई 17-वी-5 अपने मुकाम से बस 8-10 किमी पहले क्रैश हो गया है तो हर कोई सन्न रह गया। पूरा देश स्तब्ध हो टीवी, सोशल मीडिया, मोबाइल पर पल-पल का अपडेट लेकर दुआओं में लग गया। विधि का विधान देखिए शाम होते-होते वह मनहूस खबर आ गई जिसने आशंकाओं पर आखिर मुहर लगा दी। उत्तराखण्ड के पौड़ी के द्वारीखाल ब्लॉक की ग्रामसभा बिरमोली के तोकग्राम सैणा के मूल रूप से रहने बिपिन रावत अपनी तीसरी पीढ़ी के फौजी योध्दा थे। योग्यता ने उन्हें देश का पहला सीडीएस बनाया। 16 मार्च 1958 को जन्में बिपिन रावत के पिता लक्ष्मण सिंह रावत भी लेफ्टिनेट जनरल थे। उनके दादा भी ब्रिटिश आर्मी में सूबेदार रहे। पूरे घर में फौज का अनुशासन और वातावरण था। सैन्य परिवार से होने के कारण बचपन से ही उनकी इच्छा फौज में जाने की रही। जनरल रावत की औपचारिक शिक्षा देहरादून के कैम्ब्रियन हॉल स्कूल और सेंट एडवर्ड स्कूल शिमला में हुई। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में गए। 1978 में सेना की 11वीं गोरखा राइफल की 5वीं बटालियन से शुरू कैरियर सैना के सर्वोच्च पद सीडीएस तक पहुँचा। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से फिलॉसफी में पीएचडी। मेरठ कॉलेज के डिफेंस स्टडीज डिर्पाटमेंट से 2011 में रोल ऑफ मीडिया इन आर्म्ड फोर्सेस विषय में पीएचडी एक अनुशासित छात्र के रूप में की। ऊंचे पदों पर रहकर भी शिक्षा के प्रति जबरदस्त लगाव और पद का जरा भी गुरूर न होना आपकी पहचान थी। मेजर पद पर रहते हुए जनरल बिपिन रावत ने जम्मू-कश्मीर के उरी में एक कंपनी की कमान संभाली। बतौर कर्नल किबिथू में एलएसी के साथ अपनी बटालियन का नेतृत्व किया।

देश की दयनीय स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकार की प्राथमिकताएं

- निर्मल रानी

अभी देश गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज में हुई उस त्रासदी को भूला नहीं है जबकि वर्ष 2017 में इसी अस्पताल में इंसेफेलाइटिस की बीमारी की वजह से अगस्त 17 में 418, सितम्बर में 431 और अक्तूबर17 के महीने में 457 तथा 2017 के ही नवम्बर माह में 266 बच्चों की मौत की खबरों ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। मोटे तौर पर इस घटना का कारण यह बताया गया था कि ऑक्सीजन की कमी के कारण यह मौतें हुईं। ऑक्सीजन के स्टॉक में कमी का कारण यह बताया गया की ऑक्सीजन की आपूर्तिकर्ता फर्म ने ऑक्सीजन के पिछले बकाया पैसे न मिल पाने की वजह से ऑक्सीजन की आपूर्ति ही रोक दी थी। इसी प्रकार बिहार के मुजफ़्फ़रपुर में 2019 में चमकी अथवा अक्यूट इन्सेफलाइटिस सिंड्रोम बीमारी के चलते सैकड़ों बच्चे यहाँ भी काल के गाल में समा गए।

अब एक बार फिर राजस्थान व गुजरात जैसे राज्यों से सैकड़ों की संख्या में मासूम नौनिहालों के दम तोड़ने की खबरें आ रही हैं। जाहिर हैं यहाँ भी पूर्व की तरह ही कुछ सरकारी अधिकारीयों,कर्मचारियों अथवा ठेकेदारों को ही जिम्मेदार ठहरा कर अपनी बुनियादी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया जाएगा। जिस प्रकार गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज में हुई बच्चों की मौत के लिए 2017 में विपक्षी नेता योगी आदित्य नाथ से मुख्यमंत्री पद छोड़ने की मांग कर रहे थे तथा 2019 में नितीश कुमार से मुजफ़्फ़रपुर शिशु नरसंहार के लिए त्याग पत्र मांग रहे थे, ठीक उसी प्रकार राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार को कोटा व बाड़मेर में होने वाली बच्चों की मौतों का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है तथा गुजरात में राजकोट व अहमदाबाद में होने वाली बच्चों की मौतों के लिए भारतीय जनता पार्टी की विजय रुपानी सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करने व एक दुसरे को जिम्मेदार ठहराने की इस राजनैतिक परम्परा के बावजूद इस बात का भी यकीन रखिये की जिस प्रकार गोरखपुर में 2017 के बाद 2019 में मुजफ़्फ़रपुर हुआ फिर आज 2020 में कोटा व बाड़मेर तथा राजकोट व अहमदाबाद से सैकड़ों की संख्या में बच्चों की मौतों की खबरें आ रही हैं, इस बात की कोई गारंटी नहीं कि आने वाले वर्षों में इस प्रकार के हादसे नहीं होंगे।

दूसरी तरफ देश की मोदी सरकार भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी वाला देश बनाने की इच्छुक है तथा मोदी के सपनों के 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी वाले इस देश में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ उत्तर प्रदेश की ओर से एक ट्रिलियन डालर की जी डी पी की आहुति डालना चाह रहे हैं। क्या देश के विभिन्न राज्यों में हो रहे शिशु नरसंहारों की खबरें सुनने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि नेताओं के यह खयाली पुलाव तर्क संगत हैं ? इस देश के अधिकांश नेताओं व राजनैतिक दलों की प्राथमिकताएं क्या हैं यह जानकर स्वयं समझा जा सकता है कि देश को 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का सपना दिखाना महज एक मजाक के सिवा और कुछ नहीं। हमारे देश के नेताओं की प्राथमिकताओं में जनता के टैक्स के पैसों पर बेतहाशा विदेश यात्राएं,भारत-पाकिस्तान व हिन्दू मुस्लिम की परिचर्चा में देश को उलझाए रखना,जनप्रतिनिधियों की तनख़्वाहें व भत्ते बढ़ाना,जे एन यू के मुख्य द्वार पर टैंक खड़ा कर लोगों में ऐसी राष्ट्रभक्ति जगाना जिसका उदाहरण इन दिनों देखा जा रहा है। जनता के पैसों से सरकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार पर सैकड़ों करोड़ रुपए प्रति वर्ष खर्च करना,सी ए ए व एन आर सी जैसे मुद्दों पर देश को विभाजित करना,मंदिर मस्जिद,गऊ माता व राष्ट्रवाद जैसे गैर जनसरोकार के मुद्दों को उछालते रहना, अपने राजनैतिक विरोधियों को पाकिस्तानी,राष्ट्रविरोधी तथा देशद्रोही बताने पर अपनी पूरी ऊर्जा खर्च करना,स्वास्थ्य व शिक्षा के बजट पर कम परन्तु रक्षा बजट पर अधिक पैसे खर्च करना,सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा बनवाना,अयोध्या में दीपोत्सव का गिन्नीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाना,कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना जैसी अनेक बातें शामिल हैं।

जानें उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की सुरक्षा कैसे करें?

हमारे शरीर में कंकाल तंत्र की भूमिका अहम है। हड्डियां हमारे शरीर को एक ढांचा और संरचना प्रदान करती हैं और इसके साथ ही ये शरीर में कुछ महत्वपूर्ण अंगों की सुरक्षा भी करती हैं। हड्डियां कैल्शियम और फॉस्फोरस जैसे खनिजों के भंडारण व मांसपेशियों को गति प्रदान करने के लिए भी सहायक है। बचपन से लेकर बूढ़े होने तक की अवस्था में इनमें कई तरह के बदलाव आते हैं। 30 साल की उम्र तक अस्थि द्रव्यमान घनत्व अपने चरम पर पहुंच जाता है, जिसके बाद एकत्रित होने की तुलना में इस द्रव्यमान की मात्रा हड्डियों में धीरे-धीरे कम होने लगती है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस की स्थिति उत्पन्न होने लगती है, जिसका विकास उम्र बढ़ने के साथ होता जाता है।इसमें अस्थियां कमजोर व भंगुर हो जाती हैं। ऐसे में यदि किसी कारणवश हड्डी टूट जाए तो इन्हें वापस जोड़ना काफी मुश्किल हो जाता है।

आंकड़ों के हिसाब से 50 साल से अधिक उम्र के व्यक्तियों में हड्डियों के आसानी से टूट जाने की प्रवृत्ति होती है।ऐसे कई जोखिम कारक हैं, जिससे समय से पहले ही लोग इस रोग का शिकार हो जाते हैं। दैनिक

है। दो में से एक महिला और चार में से एक पुरुष में हड्डी महज इस वजह से टूट जाती है, क्योंकि वे ऑस्टियोपोरोसिस के शिकार हैं। ऐसे में इनकी सही देखभाल बहुत जरूरी आहार में कैल्शियम या विटामिन डी में कमी, कम शारीरिक गतिविधि, वजन का बेहद कम होना, नशे का सेवन, हार्मोन का अनियमित स्तर और कुछ निश्चित दवाइयों का सेवन ऑस्टियोपोरोसिस को वक्त से पहले दावत दे सकता है। फरीदाबाद मे फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल में हड्डी विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. हरीश घूटा ने जीनवशैली से संबंधित कुछ बातें साझा की हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेंगी।- कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर खाद्य और पेय पदार्थों को शामिल करना एक अच्छा कदम है। जैसे कि कम वसायुक्त दुग्ध उत्पाद यानी टोफू या सोया मिल्क, हरी पत्तेदार सब्जियां, फलियां, सैमन (एक प्रकार की मछली), बादाम इत्यादि को अपने दैनिक आहार में जरूर लें। शरीर को हफ्ते में दो से तीन बार दस से पंद्रह मिनट के लिए धूप जरूर दिखाए, क्योंकि सूरज की रोशनी विटामिन डी का एक अच्छा स्त्रोत है। इसके अलावा फोटीफाइड दूध, अनाज, सैमन, टूना मछली, झींगा या ओऐस्टर में भी विटामिन डी की अच्छी मात्रा पाई जाती है।

रक्त का तापमान घटने से बढ़ता है जोड़ों का दर्द

सर्दियां आते ही बुजुर्गों में जोड़ों के दर्द की समस्या अधिक देखने को मिलती है। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है दर्द में भी वृद्धि होती है। डॉक्टरों का मानना है कि तापमान में कमी के चलते जोड़ों की रक्तवाहिनियां सिकुड़ती हैं और उस हिस्से में रक्त का तापमान कम हो जाता है, जिसके चलते जोड़ों में अकड़न होने के साथ दर्द होने लगता है। डॉक्टरों के अनुसार, कुछ सावधानियां बरत कर इस परेशानी से बचा जा सकता है। कानपुर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रहे अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद स्वरूप ने कहा, ₹ठंड के मौसम में हमारे दिल के आसपास रक्त की गर्माहट बनाए रखना आवश्यक होता है। इसके चलते शरीर के अन्य अंगों में रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है। जब त्वचा ठंडी होती है तो दर्द का असर अधिक महसूस होता है। इस दर्द को वैज्ञानिक भाषा में आर्थराइटिस कहा जाता है। उन्होंने कहा, आर्थराइटिस आमतौर पर 40 साल से अधिक उम्र के लोगों और इनमें भी विशेषकर महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। चूंकि पूरे शरीर का भार घुटने उठाते हैं, इसलिए आर्थराइटिस की समस्या के चलते इन्हें सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। डॉक्टर ने आगे कहा, ₹रूमेटाइड आर्थराइटिस में जोड़ों के साथ कुछ दूसरे अंग या पूरा शरीर भी प्रभावित होता है। हाथ पैरों के जोड़ों में दर्द, सूजन, टेढ़ापन, मांसपेशियों में कमजोरी, बुखार आदि इसके लक्षण हैं। आनंद स्वरूप ने कहा

कि ₹उम्र के साथ हड्डियों से कैल्शियम और अन्य खनिज पदार्थों का क्षरण होने लगता है। किसी भी जोड़ में हड्डियां आपसी संपर्क में नहीं आतीं। जोड़ों के बीच में एक कार्टिलेज का कुशन होता है। जैसे ही हम बूढ़े होने लगते हैं कुशन को लचीला और चिकना बनाए रखने वाला लुब्रीकेंट कम होने लगता है। लिगामेंट्स की लंबाई और लचीलापन भी कम हो जाता है, जिसकी वजह से जोड़ अकड़ जाते हैं। नियमित कसरत और पौष्टिक आहार लेने से आप जोड़ों की चपलता को बरकरार रख सकते हैं। सुबह की गुनगुनी धूप को विटामिन डी का एक अच्छा स्त्रोत माना जाता है। कई अध्ययनों में यह बात साबित हो चुकी है। ठंड के दिनों में यदि विटामिन डी की भरपूर खुराक ली जाए तो कमर दर्द और जोड़ों के दर्द में काफी आराम मिलता है। धूप हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। धूप में बैठने से रक्तशोध बढ़ता है और जोड़ों के दर्द और सूजन से मुक्ति मिलती है।जोड़ों के दर्द में कई महत्वपूर्ण आसन या योग, जैसे गिद्धासन व प्राणायाम मदद करते हैं। लगातार कई घंटों तक एक ही कुर्सी और कंप्यूटर के आगे बैठे-बैठे आपके जोड़ अकड़ जाते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप अपने जोड़ों के लिए थोड़ा वक्त निकालें। डॉ. स्वरूप के अनुसार, खान-पान, मर्निंग वॉक, कुछ आसन व कसरत जोड़ों को मजबूत रखने में मदद कर सकते हैं। मरीज विशेषज्ञ की देखरेख में ही एक्सरसाइज और योग करें। ऑफिस में हर आधे घंटे या एक घंटे में सीट छोड़कर सात मिनट के लिए घूमे-फिरें। शरीर को स्ट्रैच करें। महिलाएं ऊंची हील की सैंडिल पहनने से बचें। इससे एड़ी, घुटने और पिंडलियों के साथ कमर पर भी असर पड़ता है।

नियमित रूप से करें खजूर का सेवन तो होंगे कई फायदे

अधिकतर लोग सिर्फ यही जानते हैं कि हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम और सनलाइट की जरूरत होती है ताकि शरीर को विटामिन डी मिले। लेकिन खजूर में मौजूद मैग्नीशियम और कॉपर भी हड्डियों को मजबूत बनाता है।

आमतौर पर माना जाता है कि हेल्दी रहने के लिए मीठी चीजों से जितना हो सके, दूर रहना चाहिए। लेकिन खजूर वास्तव में इसका अपवाद है। खजूर ना सिर्फ आपकी शुगर क्रेविंग को शांत करते हैं। बल्कि इसके सेवन से आपको अन्य भी कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इसमें फाइबर से लेकर पोटेशियम, विटामिन ए व अन्य कई तरह के विटामिन व मिनरल्स पाए जाते हैं। अगर आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं। तो चलिए जानते हैं इन लाभों के बारे में-

बढ़ाए एनर्जी

खजूर प्राकृतिक शर्करा में उच्च होते हैं और इसलिए अगर आपको इंस्टेंट एनर्जी चाहिए तो आप खजूर का सेवन कर सकते हैं। आमतौर पर लोग खुद को एनर्जेटिक बनाने के लिए कॉफी का सहारा लेते हैं, लेकिन अगर आप हेल्दी तरीके से खुद को एनर्जेटिक बनाए रखना चाहते हैं तो आप इसकी जगह एक मुट्ठी खजूर खाएं।

हड्डियों को मजबूत बनाना

अधिकतर लोग सिर्फ यही जानते हैं कि हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम और सनलाइट की जरूरत होती है ताकि शरीर को विटामिन डी मिले। लेकिन खजूर में मौजूद मैग्नीशियम और कॉपर भी हड्डियों को मजबूत बनाता है। अगर आप लंबे समय तक हड्डियों को मजबूत बनाकर ऑस्टियोपोरोसिस से खुद को दूर रखना चाहते हैं तो आपको खजूर जरूर जाना चाहिए।

कब्ज से छुटकारा

खजूद में घुलनशील फाइबर उच्च मात्रा में पाए जाते हैं, जिसके कारण यह पाचन को बेहतर बनाता है। यदि आप कब्ज से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में खजूर शामिल करना चाहिए। इससे आपका पाचन तंत्र बेहतर तरह से काम करता है। इसके अलावा आपको पानी भी पर्याप्त मात्रा में पीना चाहिए।

दिल की बेहतर सेहत

आज के समय में लोगों को कम उम्र में हृदय संबंधी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। लेकिन अगर आप अपने हृद्य को लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं तो आपको अपनी डाइट में खजूर को जगह देनी चाहिए। दरअसल, खजूर में पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, जो आपके दिल के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखता है।

दूर करें एनीमिया

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आपको खजूर जरूर खाने चाहिए। खजूर में आयरन की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है और इसलिए इसके सेवन से आप एनीमिया की समस्या को आसानी से दूर कर सकते हैं।

कंट्रोल करें ब्लड प्रेशर

जो लोग हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से पीड़ित हैं, उनके लिए खजूर किसी वरदान से कम नहीं है। दरअसल, खजूर में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने का भी काम करता है।

पीलिया होने पर करें यह घरेलू उपचार, तुरंत मिलेगी राहत

वायरल हैपेटाइटिस या जॉन्डिस को साधारणतः लोग पीलिया के नाम से जानते हैं। यह रोग बहुत ही सूक्ष्म विषाणु के कारण होता है। शुरू में जब रोग धीमी गति से व मामूली होता है तब इसके लक्षण दिखाई नहीं पडते हैं, परन्तु जब यह उग्र रूप धारण कर लेता है तो रोगी की आंखे व नाखून पीले दिखाई देने लगते हैं, लोग इसे पीलिया कहते हैं। वैसे तो पीलिया होने पर लोग दवाई का सेवन करते हैं। लेकिन आप कुछ घरेलू उपायों की मदद से भी अपनी स्थिति से राहत पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

प्राकृतिक धूप

जब छोटे बच्चों को पीलिया होता है तो ऐसे में दवाइयों के अतिरिक्त बच्चे को कुछ देर सनलाइट में भी लेकर जाना चाहिए। इससे उनकी स्थिति में काफी लाभ होता है।

गन्ने का रस

गन्ने का रस लीवर को मजबूत बनाने का काम करता है और उसके सही तरह से काम करने में मदद करता है। जब तक आपके पीलिया में सुधार न हो जाए तब तक रोज एक गिलास पिएं।

बकरी का दूध

बकरी का दूध गाय के दूध की तुलना में पचने में काफी आसान होता है, इसलिए बच्चों से लेकर बड़ों तक

को पीलिया होने पर बकरी का दूध पीना चाहिए। इसके अलावा, बकरी के दूध में उपयोगी एंटीबॉडी भी होते हैं जो पीलिया को ठीक करने में मदद करते हैं।

अदरक

अदरक में कई एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह हाइपोलिपिडेमिक भी है इसलिए यह लीवर के लिए फायदेमंद होता है। बेहतर रिजल्ट के लिए आप अदरक की चाय बनाकर पीएं।

लहसुन

अदरक की तरह ही लहसुन भी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह लिवर डिटॉक्सिफकिशन के साथ मदद करता है और इस तरह पीलिया के इलाज में योगदान देता है।

दही

पीलिया होने पर दही का सेवन जरूर करना चाहिए। दही में प्रोबायोटिक्स प्रतिरक्षा को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह सीरम बिलीरुबिन के स्तर को नीचे लाता है और हानिकारक बैक्टीरिया से सुरक्षा प्रदान करता है। अपने पीलिया को ठीक करने के लिए रोजाना एक कटोरी दही खाएं।

टमाटर

टमाटर में पाया जाने वाला लाइकोपीन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट है। यह लिवर को डिटॉक्सिफाई करने में मदद करता है। जिससे पीलिया के इलाज में मदद मिलती है। पीलिया होने पर आप टमाटर को उबालकर उसका जूस बनाएं और नियमित रूप से पीएं।

आंवला

आंवला विटामिन सी और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो पीलिया से निपटने में मदद करता है। यह लिवर की कार्यप्रणाली में सुधार करता है और सीरम बिलीरुबिन के स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। इसके सेवन के लिए आप आंवला उबालें, इसका पेस्ट बनाएं और इसे पानी और शहद के साथ मिलाकर रोजाना पिऐं।

शुगर को जड़ से खत्म करने में काम आते हैं यह आसान उपाय

ठंड के मौसम में अक्सर लोग चटनी बनाकर उसका सेवन करना पसंद करते हैं। तो क्यों ना आप ऐसी चटनी बनाएं जो शुगर को भी जड़ से खत्म कर दे। इसके लिए आप पुदीने की पत्तियां लेकर उसमें अदरक का टुकड़ा, लहसुन और खट्टा अनारदाना मिक्स करके पीसें और चटनी बनाएं।

आज के समय में शुगर जैसे एक आम बीमारी बनती जा रही है। भारत में तो छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक में यह समस्या देखी जा रही है। आमतौर पर शुगर की बीमारी होने पर व्यक्ति जिन्दगी भर दवाइयों का सहारा लेता है। लेकिन यह एक ऐसी स्वास्थ्य समस्या है, जिसका इलाज आप घर पर ही बेहद आसानी से कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ उपायों के बारे में-

मखाने आएंगे काम

मखानों में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह दिल से लेकर जोड़ों के लिए फायदेमंद माना गया है। लेकिन अगर आपको शुगर की समस्या है और आप उसे जड़ से खत्म करना चाहते हैं तो आपको प्रतिदिन खाली पेट मखाने के पांच-सात दाने खाने होंगे। कुछ दिनों तक लगातार ऐसा करने से आपके ब्लड में शुगर लेवल खुद ब खुद ठीक हो जाएगा।

करेले का सेवन

करेला स्वाद में भले ही कड़वा हो, लेकिन इससे होने वाले लाभ बड़े ही मीठे होते हैं। डायबिटीज के मरीजों को प्रतिदिन सुबह करेले का रस जरूर पीना चाहिए। करेले में हाइपोग्लाइकेमिक बायो-केमिकल पदार्थ होता है, जो रक्त में शर्करा के उच्च स्तर का इलाज करने के लिए उपयोगी होता है।

करीपत्ता

अगर आपके लिए करेले का रस पीना संभव नहीं है तो आप दिन में दो या तीन बार कुछ करीपत्ता चबाएं। इससे भी आपकी शुगर काफी हद तक कंटोल हो जाएगी।

हल्दी

हल्दी में कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। शायद इसलिए चोट लगने से लेकर कई स्वास्थ्य व सौंदर्य समस्याओं को दूर करने के लिए इसकी मदद ली जाती है। अगर आपको शुगर की बीमारी है तो आप शहद में एक चुटकी हल्दी और सूखे आंवले का पाउडर मिलाकर उसका सेवन करें। इससे आपकी स्थिति में काफी परिवर्तन आएगा।

पुदीना

ठंड के मौसम में अक्सर लोग चटनी बनाकर उसका सेवन करना पसंद करते हैं। तो क्यों ना आप ऐसी चटनी बनाएं जो शुगर को भी जड़ से खत्म कर दें। इसके लिए आप पुदीने की पत्तियां लेकर उसमें अदरक का टुकड़ा, लहसुन और खट्टा अनारदाना मिक्स करके पीसें और चटनी बनाएं। आप अपने खाने के साथ इस चटनी का सेवन करें। यकीन मानिए, आपकी डायबिटीज की बीमारी आपसे दूर भाग जाएगी।

जामुन इंसुलिन रेग्युलेशन में काफी फायदेमंद साबित होती है। इसलिए आप जामुन खाने के साथ-साथ उसके पत्तों को सुबह-शाम चबाएं। कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आने लगेगा।

गर्भावस्था के शुरूआती तीन महीनों में बरतें यह सावधानियां

किसी भी महिला के लिए गर्भावस्था के शुरूआती तीन माह काफी चुनौतीपूर्ण होते हैं। इस दौरान महिला के शरीर में काफी बदलाव आते हैं। वजन बढ़ने के अलावा सुस्ती, जी मचलाना, उल्टी का अहसास, मार्निंग सिकनेस व अन्य कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती है। यही वह समय होता है, जब भ्रूण काफी तेजी से विकसित होता है। उसके कई महत्वपूर्ण अंग बनने शुरू हो जाते हैं। ट्राइमेस्टर के अंत तक भ्रूण एक मानव रूप भी प्राप्त करता है। यह शुरूआती तीन माह किसी भी गर्भवती स्त्री के लिए काफी नाजुक माने जाते हैं। इस दौरान जरा सी लापरवाही भी मिसकैरिज का कारण बन सकती हैं। अगर आप एक हेल्दी प्रेग्नेंसी चाहती हैं तो आपको शुरूआती तीन माह में इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए-

रहें हाइड्रेटेड

गर्भावस्था में शरीर को तरल पदार्थों की अधिक आवश्यकता होती है, इससे भ्रूण की ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की जरूरतें पूरी होती है। आपको इस समय हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी के अलावा ताजा रस और स्मूदीज आदि का सेवन करें।

लें प्रसवपूर्व विटामिन

हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए डॉक्टर के परामर्श पर प्रसवपूर्व विटामिन लें। गर्भावस्था की प्रारंभिक अवस्था में यह मां और भ्रूण दोनों के लिए बेहद आवश्यक है। आप आयरन, फोलिक एसिड और मल्टीविटामिन लें। जहां फोलिक एसिड भ्रूण को किसी भी तरह के जन्म दोष से बचाता है, बल्कि आयरन गर्भावस्था में अनीमिया को रोकता है।

छोड़ें धूम्रपान

अगर आप स्मोकिंग करती हैं, तो गर्भावस्था में इसे पूरी तरह त्याग दें। धूम्रपान कई तरह की जटिलताओं जैसे कम इम्युनिटी, लो बर्थ वेट, समय से पहले प्रसव, गर्भपात व एक्टॉपिक प्रेग्नेंसी की संभावनाओं को बढ़ाता है। इतना ही नहीं, धूम्रपान के कारण अचानक शिशु मृत्यु सिड्रोम का भी खतरा रहता है। इसलिए धूम्रपान को अलविदा कहना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। धूम्रपान के अलावा तम्बाकू, अल्कोहल व कैफीन भी आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है, इसलिए इनसे भी दूरी बनाएं।

खाने का ख्याल

गर्भावस्था में संतुलित डाइट लेना चाहिए। आप विटामिन डी, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम व अन्य विटामिन व मिनरल्स को अपनी डाइट में शामिल करें। जहां तक हो सके, प्रिजर्वेटिव्स, फूड कलर्स व प्रोसेस्ड फूड से दूरी ही बनाएं। साथ ही किसी भी फल व सब्जी को खाने से पहले अच्छी तरह धोएं।

मिलें स्त्री रोग विशेषज्ञ से

चूंकि किसी भी महिला की गर्भावस्था के शुरूआती तीन माह काफी नाजुक होते हैं। इसलिए एक बार प्रेग्नेंसी कंफर्म हो जाने के बाद तुरंत स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलें। अपनी मेडिकल हिस्टी के बारे में बताएं। साथ ही अगर आपको किसी तरह की कोई स्वास्थ्य समस्या परेशान कर रही हैं तो उसके बारे में भी बताएं ताकि गर्भावस्था में आपको और आपके गर्भस्थ शिशु को कोई समस्या ना हो।

'बीस्ट' पर सबसे ज्यादा 'रीट्वीट' किया गया विजय का पोस्ट

■ नई दिल्ली (भाषा)।

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जाने-माने अभिनेता थलपति विजय द्वारा अपनी अगली फिल्म 'बीस्ट' के संबंध में किया गया ट्वीट भारतीय सिनेमा से 2021 का सबसे अधिक 'रीट्वीट' और पसंद (लाइक) किया जाने वाला ट्वीट है। ट्विटर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस साल की शुरुआत में आई विजय की फिल्म 'मास्टर' सुरपहिट रही थी। उन्होंने इस साल जून में अपनी नई फिल्म के बारे में पोस्ट किया था। इस पोस्ट को 3.42 लाख से अधिक 'लाइक' मिले और 10 हजार से ज्यादा बार इसे 'रीट्वीट' किया गया। पिछले साल अपने प्रशंसकों के साथ ली गई सेल्फी वाला उनका पोस्ट मनोरंजन जगत में सबसे ज्यादा रीट्वीट किया गया पोस्ट बन गया था। मनोरंजन जगत में दक्षिण भारत की पांच फिल्में सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं। इनमें विजय की 'मास्टर' और 'बीस्ट' क्रमशः पहले और तीसरे स्थान पर है। वहीं सूर्या की फिल्म 'जय भीम' चौथे स्थान पर है। बॉलीवुड में अभिनेता सोनू सूद सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले हस्ती हैं। इसके बाद सुपरस्टार अक्षय कुमार, सलमान खान और शाहरुख खान हैं। वहीं, आलिया भट्ट सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं अभिनेत्री हैं।

कैलिफोर्निया में अब खाद्य अपशिष्ट का होगा इस्तेमाल

डेविस (एपी)। अमेरिका में जनवरी में लागू होने वाले देश के सबसे बड़े अनिवार्य आवासीय खाद्य अपशिष्ट पुनर्चक्रण कार्यक्रम के तहत केले के छिलके, चिकन की हड्डियों और बची हुई सब्जियों के लिए कैलिफोर्निया के कूड़ेदानों में जगह नहीं होगी। इस योजना का लक्ष्य अमेरिका के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में 'लैंडफिल' को खाद्य अपशिष्ट से मुक्त बनाना है, जिसके सड़ जाने से वातावरण को नुकसान होता है। खाद्य अपशिष्ट और अन्य कार्बनिक पदार्थ रासायनिक परिवर्तन के बाद ग्रीनहाउस गैस मीथेन का उत्सर्जन करते हैं, जो जीवाश्म ईंधन से कार्बन उत्सर्जन की तुलना में अल्पावधि में अधिक हानिकारक होती है। ऐसे उत्सर्जन से बचने के लिए, कैलिफोर्निया के निवासियों ने खाद्य अपशिष्ट को खाद या ऊर्जा में परिवर्तित करने का निर्णय किया है। कैलिफोर्निया ऐसा करने वाला अमेरिका का दूसरा राज्य है। पिछले साल वर्मोन्ट ने यह योजना लागू की थी। इसके तहत, कैलिफोर्निया के अधिकतर लोगों को अतिरिक्त भोजन को कूड़ेदान के बजाय कचरे के हरे डिब्बे में डालना होगा। इसके बाद नगर पालिकाएं खाद्य अपशिष्ट को खाद में बदल देंगी या इसका उपयोग बायोगैस बनाने के लिए करेंगी।

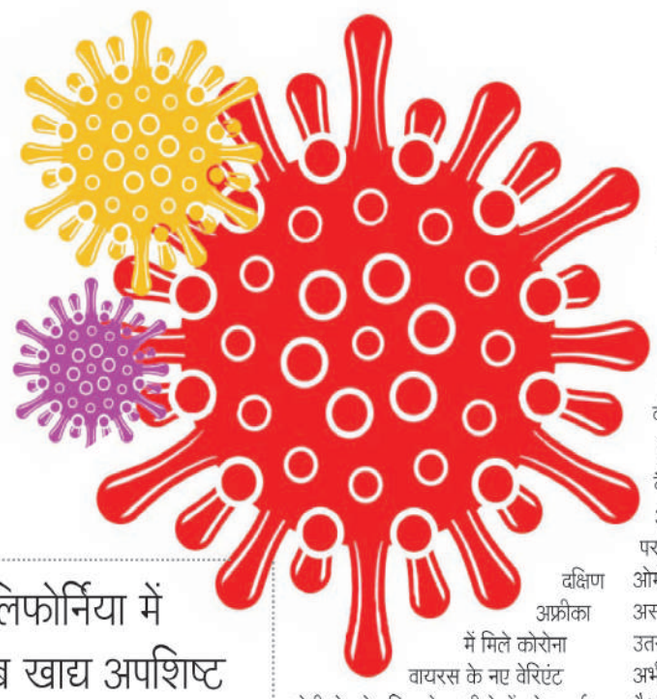

बाद में पछताने से अच्छा अभी चेतें

दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन ने दुनिया के सभी देशों को अलर्ट मोड पर डाल दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित कई शोधकर्ताओं द्वारा अत्यधिक संक्रामक और तेजी से फैलने वाले ओमीक्रान वेरिएंट को गंभीर बताया है। कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अब तक का सबसे घातक और संक्रामक वेरिएंट है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस ओमीक्रान वेरिएंट में करीब 32 म्यूटेशन देखे गए हैं, जिसके कारण डब्ल्यूएचओ की चिंता अधिक बढ़ गई है। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रान को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'वेरिएंट आफ कंसर्न' घोषित करने से ही इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है। भारत में भी अब ओमीक्रान वेरिएंट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए सतर्क रह कर इससे बचा जा सकता है।

कितना खतरनाक है ओमीक्रोन

कोरोना के नए वेररएंट ओमीक्रोन के बारे में अभी तक रिसर्च चल रही है। इसके बारे में ज्यादा जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है इसलिए यह कह पाना काफी मुश्किल है कि यह कितना खतरनाक साबित होगा। म्यूटेशन की संख्या ज्यादा होने से इसका फैलाव ज्यादा है। इसे रोकने के लिए सावधानी बरतनी जरूरी है।

यात्रा से बचें

जिन देशों में ओमीक्रोन के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं उन देशों की यात्रा करने से बचना चाहिए और अन्य देशों की यात्रा के समय भी पूरी सावधानी रखें।

कितनी असरकारक है वैक्सीन

वैक्सीन कोरोना वायरस के नए वेरिएंट आमीक्रोन पर कितनी असरदार रहेगी, इस पर डा. स्वाती महेश्वरी ने बताया कि ओमीक्रोन वेरिएंट पर भी सभी वैक्सीन असरकारक है लेकिन हो सकता है कि ये उतना असर ना करें। ओमीक्रोन के बारे में अभी ज्यादा डाटा या जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन माना जा रहा है कि इस नए वेरिएंट ओमीक्रोन के स्पाइक प्रोटीन में 30 से अधिक म्यूटेशन हुआ है, जो इस पर वैक्सीन की प्रभावशीलता को कम कर सकता है।

क्या हैं लक्षण

कोरोना के नए वेरियंट ओमीक्रान से संक्रमित मरीजों में शुरुआती जानकारी के अनुसार लक्षण हल्के और कम गंभीर देखे गए हैं। इसके लक्षणों में अत्यधिक थकान, मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश, हल्का सिरदर्द और सूखी खांसी देखे गए हैं।

डाक्टर की सलाह

डा. स्वाती महेश्वरी ने बताया कि अगर किसी भी व्यक्ति को कोरोना के लक्षण सामने आते हैं तो सबसे पहले उसे अपने आप को आइसोलेट करना चाहिए। जांच करवाने के बाद ओमीक्रोन का पता चलता है, तो इसके बाद संक्रमित व्यक्ति को सभी सरकारी नियमों का पालन करना चाहिए। डाक्टर के बताए अनुसार दवाइयों का सेवन करना चाहिए। साथ ही इससे जल्दी रिकवरी करने के लिए इम्यूनिटी को मजबूत बनाना चाहिए। हेल्दी डाइट लेनी चाहिए और योग करना चाहिए।

प्रस्तुतिः प्रभा किरण

क्या करें

- पूर्ण सुरक्षा के लिए वैक्सीन की दोनों डोज जरूर लगवाएं।
- घर से बाहर कहीं भी जाएं तो, सभी कोविड सुरक्षा नियमों का पालन करें, मास्क और सैनेटाइजर का प्रयोग करें।
- भीड़ वाले इलाकों या ऐसी शादी समारोह में जाने से बचें जहां विदेशों से मेहमान आएं हो।
- इम्यूनिटी बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ खाएं, इसके अलावा पानी पीते रहें, ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो।
- हाई रिस्क मरीजों जिनमें ट्रांसप्लांट वाले मरीज, ब्लड प्रेशर, शुगर, हार्ट डिजीज, लिवर समेत गंभीर रोगों से जूझ रहे लोगों को और बच्चों को ज्यादा सावधान और सचेत रहने की है जरूरत।

क्या कहते हैं शोधकर्ता

- दुनियाभर के शोधकर्ता दक्षिण अफ्रीका ही नहीं, अन्य देशों में भी इसके प्रसार पर नजर बनाए हुए हैं। इस वेरिएंट की खास बात यही है कि इसके स्पाइक प्रोटीन में बड़े बदलाव देखे गए हैं। अब तक जितनी भी वैक्सीन उपलब्ध हैं, वे स्पाइक प्रोटीन में हुए इन बदलावों के प्रति कितनी प्रतिरोधक क्षमता देती हैं, इस बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है।
- शोधकर्ताओं को अब तक इस बात की भी जानकारी नहीं है कि कोरोना का नया वेरिएंट पहले के वेरिएंट जितना ही संक्रामक है या उससे ज्यादा।

गांधी का पूरा जीवन वासनाओं के खिलाफ संघर्ष में बीता

नई दिल्ली (भाषा)। महात्मा गांधी ने ब्रह्मचर्य को लेकर तमाम तरह के प्रयोग किए और काम वासना के प्रति राग विराग का यह अंतर्द्वंद्व आजीवन चलता रहा। महात्मा के जीवन के इसी विवादास्पद पहलू की गहराई से पड़ताल करती एक नई किताब में दावा किया गया है कि महात्मा के ब्रह्मचर्य के पीछे बहुत से कारण रहे थे और ये कारण इतने मजबूत थे कि महात्मा का पूरा जीवन वासनाओं के खिलाफ संघर्ष में बीत गया।

किताब में एक स्थान पर जिक्र किया गया है कि साबरमती आश्रम में अपने निजी सचिव प्यारेलाल की आकर्षक बहन, सुशीला नायर, जो कि उनकी निजी चिकित्सक भी थीं, के साथ नग्न स्नान को लेकर आश्रम में कानाफूसियों का दौर शुरू हो गया। आश्रमवासियों का अरोप था कि महात्मा मर्यादाएं तोड़ रहे हैं। उनका एतराज इस बात पर था कि सुशीला उन्हें स्नान कराते वक्त खुद भी स्नान करती है और तब गांधी उनकी साड़ी ओढ़ लेते हैं। महात्मा गांधी को इस मामले में सफाई देनी पड़ी थी। महात्मा गांधी के युवतियों के साथ नग्न सोने के उनके अनोखे प्रयोगों के तमाम पहलुओं का मनोवैज्ञानिक ढंग से विश्लेषण करती वरिष्ठ लेखक/पत्रकार दयाशंकर शुक्ल सागर की नई शोधपरक किताब 'अधनंगा फ़कीर' में दावा किया गया है कि महात्मा एक तरह का ऐसा उत्कृष्ट नैतिक जीवन जी रहे थे, जो आम आदमी की कल्पना के बाहर की चीज थी।

- एक नई किताब अधनंगा फ़कीर में लेखक ने किया दावा
- कहा, महात्मा एक तरह का ऐसा उत्कृष्ट नैतिक जीवन जी रहे थे, जो आम आदमी की कल्पना के बाहर की चीज थी

दयाशंकर शुक्ल द्वारा लिखी तथा हिंदी युग्म द्वारा प्रकाशित किताब 'अधनंगा फ़कीर' में आश्रमवासी मुन्नालाल शाह के हवाले से सवाल उठाया गया है कि महात्मा स्त्री सेवा न लेने के अपने पूर्व के निश्चय से कैसे बदल गए? उनके उस प्रण का क्या हुआ, जिसमें स्त्री स्पर्श के त्याग की बात थी? महात्मा ने इस पर शाह को जवाब दिया- 'अपने किए हुए निश्चयों के विषय में मैं शिथिल नहीं हूँ। मेरी ख्याति तो इससे विपरीत है। किंतु जहां मुझे स्वयं शंका हो वहाँ भूतकाल में किए गए निर्णय निश्चयात्मक नहीं माने जा सकते। यहाँ मैंने जो कुछ किया वह तो प्रयोग था। और प्रयोग में तो परिवर्तनों की गुंजाइश है ही।

किताब में इस प्रयोग के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर भी प्रकाश डाला गया है। शुक्ल का निष्कर्ष है कि दरअसल महात्मा खुद को सही साबित करने के लिए 'युक्तीकरण' का सहारा लेते रहे। मनोवैज्ञानिकों ने इसे 'रेशनेलाइजेशन' कहा है। यह खुद को सही साबित करने का ऐसा ढंग है, जिसमें व्यक्ति यह नहीं जानता कि अचेतन रूप से झूठे कारण और तर्क पेश कर रहा है। यह खुद को धोखा देने का ऐसा ढंग है, जिसमें व्यक्ति खुद को नैतिक और प्रतिष्ठित समझने लगता है।

वह कहते हैं कि महात्मा अगर निर्विकार थे तो उन्हें सुशीला के स्नान करने के समय आंखें बंद करने की कोई जरूरत नहीं पड़नी चाहिए थी। आंखें बंद करना उनके अंदर के डर को दर्शाता है। किताब के अनुसार- गांधीजी का दावा था कि वे नहीं जानते थे कि सुशीला कैसे स्नान करती है । लेकिन आंखें बंद करके भी यह रोचक कल्पना की जा सकती है कि समीप कोई स्त्री कैसे स्नान कर रही है। महात्मा ने आवाज से अनुमान लगाया कि वह नहाते वक्त साबुन का इस्तेमाल करती थी। यानी बंद आंखों में भी महात्मा का सारा ध्यान सुशीला की स्नान प्रक्रिया की ओर लगा रहता।

आज रिलीज होगी 'हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी'

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की फिल्म हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी 10 दिसंबर को रिलीज होगी। दिनेश लाल यादव निरहुआ, आम्रपाली दुबे, समीर आफताब, और मधु शर्मा की फिल्म हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी 10 दिसम्बर से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यशी फिल्म्स के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी का फर्स्ट लुक और इसका ट्रेलर दर्शकों ने काफी पसन्द किया है। इस फिल्म की झलकियां दिनेश लाल यादव निरहुआ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं और दर्शकों से अपील की है,हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी को आशीर्वाद प्यार दीजिये। आम्रपाली दूबे ने भी इंस्टाग्राम पर फिल्म के टीजर को शेयर करते हुए लिखा है,हम हैं दूल्हा हिंदुस्तानी को आपलोग भरपूर प्यार दें। गौरतलब है कि इस फिल्म का निर्देशन स्वर्गीय असलम शेख ने किया है। इस फिल्म की शूटिंग लंदन में हुई है।

'आरआरआर' का ट्रेलर रिलीज

हैदराबाद (आईएएनएस)। एसएस राजामौली के बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आरआरआर' का गुरुवार को ट्रेलर रिलीज किया। अखिल भारतीय फिल्म गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों कोमाराम भीम और अल्लूरी सीताराम राजू के जीवन पर एक काल्पनिक कहानी है। 'आरआरआर' का ट्रेलर शानदार दृश्यों के साथ शुरु होता है, क्योंकि एक आदिवासी लड़की को अंग्रेजों द्वारा उसके परिवार से छीन लिया जाता है। यह फिल्म स्वतंत्रता-पूर्व युग को दर्शाती है। कोमाराम भीम की भूमिका निभाने वाले जूनियर एनटीआर को एक शानदार प्रविष्टि के साथ पेश किया जाता है, क्योंकि उन्हें एक बाघ से लड़ते हुए खुद को प्रशिक्षित करते हुए देखा जाता है। जैसे ही जानवर भीम पर कूदता है, वह उसे गर्जना से नियंत्रित करता हुआ दिखाई देता है। कुछ भावनात्मक दृश्यों ने दर्शकों के दिल को काफी छुआ है। वही आलिया का किरदार दमदार नजर आ रहा है। 'आरआरआर' 7 जनवरी को रिलीज होगी।

रहमान ने मणिरत्नम की ब्रीफिंग क्लिप पोस्ट की

चेन्नई (आईएएनएस)। संगीत के दिग्गज ए आर रहमान ने निर्देशक मणिरत्नम की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन' के लिए संगीत तैयार करने का काम शुरू कर दिया है, जो लेखक कल्कि के इसी नाम के क्लासिक उपन्यास पर आधारित है। रहमान ने गुरुवार को निर्देशक मणिरत्नम की एक वीडियो क्लिप पोस्ट की, जिसमें उन्हें दो-भाग वाली महाकाव्य फिल्म के लिए जिस तरह के संगीत की जरूरत है, उस पर एक ब्रीफिंग दी, जिसमें कई बड़े सितारे हैं। क्लिप पोस्ट करते हुए रहमान ने लिखा, पीएस पीएस पीएस मास्टर मणिरत्नम से ब्रीफिंग हैशटैग पोन्नियिन सेलवन। रहमान द्वारा पोस्ट की गई क्लिप में, मणिरत्नम यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, यह बड़ी आवाज है जो उठ रही है, उठ रही है, उठ रही है और ऊपर आ रही है। जैसे ही यह बैठता है, हम सम्राट और पोन्नियिन सेलवन को देखते हैं, दोनों आ रहे हैं।

पूजा भट्ट को पेटा इंडिया का 'हीरो टू एनिमल्स' अवार्ड

मुंबई (आईएएनएस)। फिल्म निर्माता-अभिनेत्री पूजा भट्ट को अंतर्राष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस पर पेटा इंडिया की ओर से हीरो टू एनिमल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। फिल्म निर्माता महेश भट्ट और लोरेन ब्राइट की बेटी पूजा ने कहा कि मुझे यह पुरस्कार देने के लिए मैं पेटा की वास्तव में आभारी हूं। मैं अपनी मां को धन्यवाद देती हूं। फिल्म निर्माता-अभिनेत्री ने मुंबई में घोड़ों द्वारा खीची जाने वाली गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने के पेटा इंडिया के अभियान का समर्थन किया है। साथ ही जयपुर के पास बेरहमी से पीटे गए मालती नाम के एक बंदी हाथी की रिहाई के आह्वान का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों को आगाह किया है कि मांझे से कितनी आसानी से पक्षी घायल हो सकते है और मर सकते हैं। वह अपनी थाली से मांस को दूर रखने, गली के जानवरों को अपनाने पर जोर दे रही है। पेटा इंडिया के सेलिब्रिटी और जनसंपर्क निदेशक सचिन बंगेरा ने कहा कि पूजा भट्ट में जानवरों की रक्षक है।

वापसी कर रही हैं जेनेलिया

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता रितेश देशमुख निर्देशक की कुर्सी संभालने के पूरी तरह तैयार हैं। वह मराठी फिल्म वेद के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत कर रहे हैं, जो एक दशक के बाद जेनेलिया देशमुख की अभिनय में वापसी भी है। रितेश ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए कहा कि वह पहली बार कैमरे के पीछे खड़े होंगे। 20 साल तक कैमरे के सामने रहने के बाद, मैं पहली बार इसके पीछे खड़े होने के लिए एक बड़ी छलांग लगा रहा हूं। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, मैं अपनी पहली मराठी फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं, मैं विनम्रतापूर्वक आप सभी से शुभकामनाएं और आशीर्वाद मांगता हूं। इस यात्रा का हिस्सा बनें, इस पागलपन का हिस्सा बनें। हैशटैग वेद। जेनेलिया ने भी वही पोस्टर साझा किया और इसे कैप्शन दिया कि मेरी पहली मराठी फिल्म है। एंड बैक टू द मूवीज - फाइनली। फिल्म से संबंधित विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।

विकास बहल की 'गणपत' से डेब्यू करेंगे अभिनेता रहमान

चेन्नई (आईएएनएस)। अभिनेता रहमान निर्देशक विकास बहल की 'गणपत' से बालीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें टाइगर श्राफ और कृति सेनन मुख्य भूमिका में हैं। लंदन में फिल्म की शूटिंग कर रहे अभिनेता ने अपनी बेटी की शादी के सिलसिले में चेन्नई की यात्रा के दौरान इस बात का खुलासा किया। रहमान ने कहा कि मैं भूमिका के लिए बहुत सारा होमवर्क करने के बाद लंदन गया था। मैंने तीन महीने के लिए हिंदी भाषा की ट्यूशन ली, फिर फिल्म की शूटिंग के लिए लंदन जाने से पहले स्क्रिप्ट रीडिंग और मेकअप टेस्ट किया था।

मस्ती करती नजर आईं प्रियंका

मुंबई (आईएएनएस)। प्रियंका चोपड़ा लंदन के आठ रायल पार्कों में से एक, हाइड पार्क में अपने डार्स- डिनो, पांडा और डायना को लेकर पहुंची। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने फर दोस्तों के साथ तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की। उन्होंने अपनी पोस्ट को कैप्शन दिया, काम के दिन अपने पपीज के साथ हैशटैग सिंडरैला। उन्होंने डायना के साथ अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक बूमरैंग भी पोस्ट किया। तस्वीरों में, अभिनेत्री को भारी ऊनी कपड़े पहने देखा जा सकता है। फिल्म निर्माता जोया अख्तर ने कमेंट बाक्स में दिल वाला इमोजी शेयर किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो 'सिटाडेल' के अलावा प्रियंका 'द मैट्रिक्स रिसर्क्शंस' में नजर आएंगी, जिसका ट्रेलर हाल ही में सामने आया था। उनकी अन्य परियोजनाएं हैं 'टेक्स्ट फार यू', 'तुलिया', बैरी लेविंसन की 'शीला' और फरहान अख्तर निर्देशित 'जी ले जरा' में वह कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।

खेसारी के खिलाफ गैर जमानती वारंट

पटना (आईएएनएस)। भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव के खिलाफ चेक बाउंस के मामले में एक स्थानीय अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। यादव ने जून 2019 में जिले के राशुलपुर थाना अंतर्गत असाहनी गांव निवासी मृत्युंजय नाथ पांडेय से जमीन खरीदी थी और इसकी रजिस्ट्री 4 जून 2019 को की गई थी। पांडे ने कहा, खेसारी लाल यादव को 22.07 लाख रुपए की कीमत पर जमीन बेची गई थी। उन्होंने मुझे 18 लाख रुपए का चेक दिया था, जिसे मैंने 20 जून, 2019 को अपने बैंक खाते में जमा किया था। वह चेक बैंक से 24 जून को वापस कर दिया गया था, 2019 में मैंने इसे 27 जून, 2019 को फिर से जमा किया और यह फिर से बाउंस हो गया।

सोच में परिवर्तन से बेटियां आगे बढ़ी: राज्यपाल

शिक्षा चरित्र निर्माण के लिए होनी चाहिए: प्रो. जे. एस. राजपूत, पीयू के विद्यार्थियों में असीम क्षमता: कुलपति, विश्वविद्यालय ने प्रो. जे. एस. राजपूत को दी डी. एससी. की मानद उपाधि

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह शुक्रवार को महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में मनाया गया। इस अवसर पर मेधावियों को 65 गोल्ड मेडल दिए गए। मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. जे.एस. राजपूत को डी.एससी. की मानद उपाधि प्रदान की गई। इसी के साथ रसायन विज्ञान के प्रो, दीपक पठानिया को भी डी.एससी की उपाधि दी गई।

इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पूर्वांचल की मिट्टी में कुछ खास है तभी यहां की बेटियां बेटों से आगे हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ 75 फीसदी बेटियां मेडल प्राप्त की हैं, स्थिति काफी अच्छी है। बेटियां आगे बढ़ रहीं हैं। आज के वातावरण में सोच और समझ में परिवर्तन आया है उसी से बेटियां आगे बढ़ी हैं। उन्होंने छोटे बच्चों पर कहा कि ऐसे छोटे बच्चे गाँव से जब विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आते हैं तो यहाँ की भव्यता देखकर वह मन में सोच कर जायेंगे कि जब हम पढेंगे तभी यहाँ तक पहुंचेंगे। इस सोच के साथ बच्चों को आमंत्रित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि जब बच्चे दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल पाने वालों को देखतें है तो उनमें उन जैसा बनने की चाहत होती है। उन्होंने कहा कि कोविड टीकाकरण शत प्रतिशत हो इसके लिए गाँव में जाकर ग्रामीणों को प्रेरित करना चाहिए। समाज के साथ निरंतर विश्वविद्यालय का संपर्क बना रहना चाहिए। उन्होंने भाषण के अंत में विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में ऐसा काम करें जिससे कि आपको आने वाली पीढ़ी याद करे। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी समस्याओं का विकास हम स्वयं करें तभी सम्पूर्ण देश का विकास होगा।

दीक्षांत उद्बोधन में मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. जे. एस. राजपूत ने कहा कि ज्ञान से पवित्र कुछ नहीं है। शिक्षा चरित्र निर्माण के लिए होनी चाहिए। इसका विश्लेषण करिए की आप ने व्यक्तित्व विकास के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि शिक्षा अध्ययन, मनन, चिंतन और उपयोग के लिए होनी चाहिए। हमें देश, परम्परा और ज्ञान की शक्ति को पहचानना होगा। उनका मानना है कि शिक्षा जीवनपर्यंत सीखने की बात है। समय बदल रहा है, पहले विज्ञान पर बात होती थी फिर विज्ञान, तकनीक और अब तकनीक और संचार की बात हो रही है। उन्होंने कहा कि विश्व में वही देश आगे जाएगा जिसके पास बौद्धिक संपदा होगी। शिक्षक बनने जा रहे लोग यह समझें की आप भविष्य के निमार्ता हैं। आपकी शिक्षा देश की प्रगति में योगदान देने वाली हो।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम उत्साह एवं क्षमता है। उन्हें जीवन के प्रति आधुनिक विचारों के साथ नये-नये तकनीकी, आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तनों से प्रशिक्षित करने की जरूरत है ताकि वे जीवन की ऊँचाइयों पर पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि नारी को स्वावलम्बी, सशक्त, आत्मनिर्भर एंव जागरूक बनाने के दिशा में विश्वविद्यालय स्तर पर भी प्रयास किये जाएँ, इस दिशा में लगातार विश्वविद्यालय, महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसएस, महिला अध्ययन केन्द्र, मिशन शक्ति, कौशल विकास केन्द्र एवं रोवर्स रेंजर्स जैसी गतिविधियों में विश्वविद्यालय का राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को भी बताया। दीक्षांत समारोह की शुरूआत में शोभायात्रा निकाली गई जिसका नेतृत्व कुलसचिव महेंद्र कुमार ने किया। शोभायात्रा में अतिथियों के साथ कार्य परिषद् एवं विद्या परिषद के सदस्य शामिल हुए। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. मनोज मिश्र ने किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक अजय साहनी, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, डा. विजय सिंह, डा. राहुल सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. रामनारायण, प्रो. एके श्रीवास्तव, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. बीडी शर्मा, डा. केएस तोमर, लक्ष्मी मौर्य, उपकुलसचिव वीरेंद्र मौर्य, सहायक कुलसचिव अमृतलाल, बबिता सिंह, दीपक सिंह, डा. संदीप सिंह, डा. प्रदीप कुमार, डा. मनीष गुप्ता, एनएसएस समन्वयक डा. राकेश यादव, रोवर्स रेंजर्स डा. जगदेव, डा. विजय तिवारी, डा. संतोष कुमार,. डा. रजनीश भास्कर, डा. रशिकेस, डा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह, डा. अवध बिहारी सिंह. डा. जाह्नवी श्रीवास्तव, अन्नु त्यागी, डा. अमरेंद्र सिंह, डा. चंदन सिंह, डा. मनोज पांडेय, डा. आशुतोष सिंह, डा. अमित वत्स, रामजी सिंह, स्वतंत्र कुमार, डा. पीके कौशिक, सुशील प्रजापति, श्याम श्रीवास्तव, राजेश जैन, हेमंत श्रीवास्तव आदि शिक्षक और कर्मचारी मौजूद थे।

गतिमान के अंक का हुआ लोकार्पण- जौनपुर। विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह में गतिमान वार्षिक पत्रिका का विमोचन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। इस पत्रिका में विश्वविद्यालय के वर्ष भर की गतिविधियां स्वर्ण पदक धारकों की सूची, अतिथियों का परिचय समेत विश्वविद्यालय की विविध गतिविधियों को बड़े आकर्षण ढंग से प्रकाशित किया गया है। विमोचन अवसर पर सम्पादन मण्डल में डॉ. मनोज मिश्र, प्रो. अजय द्विवेदी, डॉ० दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ० सुनील कुमार, डा. अवध बिहारी सिंह, डॉ० मिथिलेश कुमार यादव मंच पर रहें।

51 बच्चों को राज्यपाल के हाथों मिला उपहार- जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कक्षा 6 से 8 में पढ़ने वाले 51 बच्चों को स्कूल बैग, फल, महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तकें आदि प्रदान किया। इस बच्चों को एनएसएस के समन्वयक डा. राकेश यादव स्कूल के प्राध्यपकों के साथ लेकर आए थे।

शाकम्बरी को मिला अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक- जौनपुर। विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम.ए. जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया गया। वर्ष 2021 में एम०ए० जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने पर शाकम्बरी नंदन सोंथालिया को यह पदक मिला।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन पर दो मिनट का शोक- जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में सीडीएस जनरल बिपिन रावत के असामयिक निधन पर शुक्रवार को दीक्षांत समारोह में शोकसभा का आयोजन किया गया। सीडीएस बिपिन रावत का तमिलनाडु के कुन्नूर में एक हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हो गया। हेलीकॉप्टर में कुल 14 लोग सवार थे जिसमें 13 लोग की मौत हो गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि यह घटना बहुत ही दुखद है। श्री रावत पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले थे वह थल सेना के 27 में चीफ रहे। दीक्षांत समारोह में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

64 मेधावियों को स्वर्ण पदक- जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 64 मेधावियों को प्रथम प्रयास में अपने विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर 65 स्वर्ण पदक प्रदान किया। स्नातक में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर बीटेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में शशांक सिंह, बीटेक (इलेक्ट्रिकल) में हरिकेश्वर प्रजापति, बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी) में राहुल पटेल, बीटेक (सूचना प्रौद्योगिकी) में ऐश्वर्या सिंह, बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग) में महिमा, बीटेक(कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग) में श्रेया गुप्ता, बी फार्मा में आकांक्षा दुबे, बी.ए. में दीक्षा यादव, बी.एस.सी. में कु. अक्षिता यादव, बी.कॉम. में कुशाग्र सिंह, बी.एससी. (कृषि) में दीपा विश्वकर्मा, बी.पी.ई. में श्वेता सिंह, बी.एड. में पूजा मिश्रा, एल.एल.बी. में नवीन कुमार लाल, बी.सी.ए. में चंद्रेश विश्वकर्मा, बी.बी.ए. में हीना गुप्ता, बी.ए.एम.एस. में निक्की सोनी, बी.यू.एम.एस. में मोहम्मद नबील निजाम

स्नातकोत्तर में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी- जौनपुर। एम.सी.ए. में अंजलि सिंह चौहान, एम.बी.ए. (ई-कॉमर्स) में साक्षी साहू, एम.बी.ए. में स्वप्निका राय, एम.बी.ए. (कृषि-व्यवसाय) में शशि राज, एम.बी.ए. (बिजनेस इकोनॉमिक्स) में काजल सिंह, एम.बी.ए. (वित्त और नियंत्रण) में सागर कुमार शुक्ला, एम.बी.ए. (एचआरडी) में शिवांगी सिंह, एम.एस.सी. (जैव प्रौद्योगिकी) में अमीना नाज एम.एस.सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) में तजीम जहरा, एम.एस.सी. (जैव रसायन) में कुंजलता प्रजापति, एम.एस.सी. (पर्यावरण विज्ञान) में सैयद मोहम्मद हैदर, एम.एस.सी.(रसायन विज्ञान)में नीलेश यादव, एम.एस.सी. (पृथ्वी और ग्रह विज्ञान अनुप्रयुक्त भूविज्ञान) में अंजू यादव, एम.एस.सी.ध्एम.ए. (गणित) में बिपिन कुमार, एम.एस.सी.(भौतिक विज्ञान) में कायनात फातिमा, एम.ए.(एप्लाइड साइकोलॉजी) में आकांक्षा सिंह, एम.ए.(मास कम्युनिकेशन) में शाकंभरी नंदन सोनथालिया एम.ए. (मास कम्युनिकेशन) में शाकंभरी नंदन सोनथालिया (अतुल माहेश्वरी गोल्ड मेडल), एम.ए.(शारीरिक शिक्षा) में सोमा कुशवाहा, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और संस्कृति में विकास मौर्य, रक्षा और सामरिक अध्ययन में प्रिया सिंह, अर्थशास्त्र में सलोनी चौरसिया, शिक्षा में वैशाली सिंह, अंग्रेजी में अनिल कुमार राय, भूगोल में कु0 ज्योति वर्मा, हिंदी में कु0 सोनी सिंह, संगीत (सितार) में वर्षा श्रीवास्तव, गृह विज्ञान (खाद्य पोषण) में अर्चिता चौबे, गृह विज्ञान (मानव विकास) में आरती प्रजापति, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में पारो यादव, दर्शन में रश्मि सिंह, दर्शन में विनय कुमार, राजनीति विज्ञान में अंकुश यादव, संस्कृत में प्रियंका यादव, समाज शास्त्र में सोनम राय, उर्दू में नेहा फातमा, अरबी में सहला तबस्सुम, मनोविज्ञान में कुमारी सुनीता चौहान, एम.एड. में प्रज्ञा सिंह, एम.कॉम. में स्वच्छा सिंह, वनस्पति विज्ञान में निधि यादव, रसायन शास्त्र में ज्योतिका पांडेय, औद्योगिक रसायन विज्ञान में किशन शुक्ला, गणित में सत्य प्रकाश गुप्ता, भौतिक विज्ञान में पूजा यादव, प्राणि विज्ञान में संध्या मौर्य एवं विनीता सिंह पटेल।

96 शोधार्थियों को मिली पीएच.डी. की उपाधि- जौनपुर। दीक्षांत समरोह में विभिन्न संकायों के 96 शोधार्थियों को पीएच. डी. की उपाधि प्रदान की गई। इसमें कला संकाय के 64 विज्ञान संकाय के 09 शिक्षा संकाय के 13 कृषि संकाय के 02 विधि संकाय के 05, वाणिज्य संकाय के 02 तथा इंजीनियरिंग संकाय के एक शोधार्थियों को उपाधि मिली। इंजीनियरिंग संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. अशोक श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रो. दीपक पठानिया को डी.एससी. की उपाधि दी गई।

खनन के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

लखनऊ। जानकीपुरम थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात में गुरुवार देर रात खनन को लेकर विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद भाग रहे आरोपियों में से एक को लोगों ने पीछा करके दबोच लिया। जबकि दूसरे आरोपी को कुछ देर बाद ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक बक्शी का तालाब क्षेत्र के कठवारा गांव का रहने वाला सुभाष खनन का काम करता था। उसका पास के ही गोहाना गाँव के खनन माफिया दुर्गेश और महेंद्र से काफी समय से विवाद चल रहा है। दोनों पक्षो के बीच कई बार मारपीट भी हो चुकी है। मिट्टी के खनन को लेकर इन दिनों दोनों पक्षों में जबरदस्त तनातनी चल रही थी। जानकीपुरम इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह गौर के मुताबिक गुरुवार रात सुभाष भवानी बाजार में अपने दोस्त के घर गया था। जहां आरोपी महेंद्र और दुर्गेश पहले से घात लगाए बैठे थे। देर रात करीब ढाई बजे सुभाष जैसे ही दोस्त के घर से निकला दोनों ने पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

अमरोहा में मंदिर के पास गो तस्करों ने गाय को मारी गोली, ग्रामीणों के पहुंचते ही फरार हो गए आरोपित

मुरादाबाद। अमरोहा के मंडी धनौरा में गो तस्करों के हौसले बुलंद हैं। इस क्रम में तस्करों ने एक गांव में घूम रही गाय की गोली मारकर हत्या कर दी। ग्रामीणों ने इस घटना को अपनी आंखों से देखा। उनके पहुंचते ही गो तस्कर फरार हो गए। घटना को लेकर ग्रामीणों व हिंदूवादी संगठन के कार्यकताओं में रोष है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस की उदासीनता के चलते क्षेत्र में गो तस्कर सक्रिय हो रहे हैं। घटना थाना क्षेत्र के गांव कपसुआ की है। गुरुवार की रात यहां पर स्थित मंदिर से करीब 20 मीटर की दूरी पर गो तस्करों ने गांव में घूम रही बेसहारा गाय के गर्दन पर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। वध करते वक्त अचानक ग्रामीणों के पहुंचने पर तस्कर फरार हो गए। शुक्रवार की सुबह जाग होने पर जब घटना का पता चला तो गांव में रोष फैल गया। उधर, हिंदूवादी संगठनों के लोग भी मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी पुलिस क्षेत्राधिकारी व थाना पुलिस को भी दी गई। जिस पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले की जांच की जा रही थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी सतेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने घटना में शामिल आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कहा कि ऐसा करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, जिससे आगे से कभी वे ऐसा करने की हिम्मत न जुटा सकें।

रायबरेली में नशे में धुत रिक्शा चालक ने दोस्त की बेटी से किया दुष्कर्म

रायबरेली। नशे में धुत रिक्शा चालक ने दोस्त की बेटी के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया। पीड़िता की मौसी की शिकायत पर आरोपित के विरुद्ध लालगंज कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। बताया गया कि नगर से सटे एक गांव में रहने वाला व्यक्ति दो बेटियों और एक बेटे के साथ रहता है। उसकी पत्नी का निधन हो चुका है। बुधवार की देर शाम उसका रिक्शा चालक मित्र घर आया था। दोनों ने घर में बैठकर शराब पी। जब सभी अपने-अपने कमरों में सोने चले गए तो आरोपित रिक्शा चालक मित्र की बेटी के कमरे में घुस गया। इस दौरान 13 वर्षीय किशोरी मौसेरे भाई से फोन पर बात कर रही थी। आरोप है कि नशे में धुत आरोपित ने बालिका के हाथ से मोबाइल छीनकर फेंक दिया और जबरन दुष्कर्म किया। बालिका की चीख-पुकार फोन पर सुनकर मौसेरे भाई ने तत्काल उसके परिवारजन को फोन कर सूचना दी। परिवार वाले तत्काल पीड़िता के कमरे में पहुंच गए और आरोपित को पकड़ लिया।

पॉक्सो कोर्ट द्वारा रेप पीड़िता के बच्चे का डीएनए टेस्ट का आदेश नामंजूर

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने व्यवस्था दी कि बलात्कार के मामले में पीड़िता को उसके बच्चे के पिता का पता लगाने के लिए डीएनए परीक्षण से गुजरने को मजबूर नहीं किया जा सकता। अदालत ने इसके साथ ही बलात्कार के नाबालिग आरोपी की याचिका पर पॉक्सो अदालत द्वारा पीड़िता के बच्चे का डीएनए परीक्षण कराने के आदेश को दरकिनार कर दिया। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा की पीठ ने आरोपी की याचिका के विरुद्ध दायर पुनरीक्षण याचिका को अनुमति देते हुए यह आदेश पारित किया। उन्होंने कहा कि पॉक्सो अदालत के सामने सवाल यह था कि क्या जिस अभियुक्त के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया, उसने वाकई बलात्कार किया था। न कि यह पता लगाना कि उस वारदात के परिणामस्वरूप पैदा हुए बच्चे का पिता कौन है। गौरतलब है कि सुल्तानपुर जिले में 17 दिसंबर 2017 को एक महिला ने अपनी बेटी से बलात्कार किए जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग लड़के के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। किशोर न्याय परिषद के समक्ष मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी ने बलात्कार पीड़िता के बच्चे का डीएनए परीक्षण कराए जाने से संबंधित अर्जी दाखिल की थी लेकिन परिषद ने पिछली 25 मार्च को उसकी यह कहते हुए उसकी अर्जी खारिज कर दी थी कि यह याचिका केवल बचाव की प्रक्रिया के दौरान ही दाखिल की जा सकती है किशोर न्याय परिषद के इस आदेश के खिलाफ आरोपी ने पॉक्सो अदालत में याचिका दाखिल की थी। इस अदालत ने 25 जून 2021 को एक याचिका दाखिल कर बच्चे का डीएनए टेस्ट कराए जाने का आदेश दिया था। पीड़िता की मां ने इसके खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, एक युवक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

मेरठ। मेरठ के कंकरखेड़ा में दिल्ली-देहरादून हाईवे पर गांव शौभापुर चौकी के सामने रॉन्ग साइड से आ रहे रोड़ी डस्ट से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल पर दो युवक सवार थे। हादसे में डाबका गांव निवासी मोनू की मौके पर ही मौत हो गई और उसका साथी अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक मोनू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और घायल अरविंद को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर थाने ले आई। बताया जा रहा है कि मोनू पुताई करने का काम करता था, ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक रॉन्ग साइड में तेज गति से चल रहा था, जिस कारण यह हादसा हुआ है। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को छोड़कर फरार हो गया।

विकास कार्यों में करोड़ों के गोलमाल को लेकर सीएम कार्यालय में की शिकायत

समरसेबल और स्ट्रीट लाइट में हुआ करोड़ों का घोटाला

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। तहसील क्षेत्र के वलीदपुर नगर पंचायत में कराए गए विकास कार्यों खासकर पेयजल के लिए समरसेबल और स्ट्रीट लाइट में करोड़ों के गोलमाल की शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय में की गई है। नगर पंचायत के आधा दर्जन लोगों ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा है। इसके साथ ही नगर पंचायत में नाली, पटिया, नाला, और इंटरलॉकिंग आदि में भी गोलमाल किए जाने की शिकायत की गई है। वलीदपुर नगर पंचायत निवासी भाजपा कार्यकर्ता सनाउल्लाह और भीरा मुहल्ला निवासी ताहिर आदि ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा है कि वलीदपुर नगर पंचायत में स्ट्रीट लाइट के नाम पर करोड़ों का गोलमाल किया गया है। अधिशासी अधिकारी से शिकायत किए जाने पर लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। इस संबंध में सनाउल्लाह ने कहा है कि पेयजल के लिए मुहल्लों में समरसेबल लगाया गया है जो आए दिन जल जाता है। घटिया और सस्ता किस्म के समरसेबल पंप लगाए जाने से यह समस्या आ रही है जिसको लेकर शिकायत करने पर अधिशासी अधिकारी द्वारा लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। शिकायती पत्र में कहा है कि नगर में लगी स्ट्रीट लाइट भी कुछ दिनों बाद खराब हो गई जिसे अभी तक बदला नहीं गया है। स्ट्रीट लाइट खरीद में भी लाखों का घोटाला किया गया है। शिकायत कर्ताओ ने कहा है कि वलीदपुए नगर पंचायत में प्रवेश के लिए बाहर से पांच रास्ते बने हैं लेकिन भ्रष्टाचार का आलम यह है कि मामूली बरसात में भी किसी भी तरफ से नगर पंचायत में पहुंच पाना काफी दुष्कर है। इस बारे में भी कई बार ध्यान आकृष्ट कराए जाने के बावजूद भी नगर प्रशासन द्वारा इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सरकारी धन का दुरुपयोग करने के उद्देश्य से केवल बिजली के उपकरण, स्ट्रीट लाइट, और अन्य सामग्री खरीद कर घोटाला किया गया है। नाली, पटिया, नाला, इंटरलाकिंग आदि का कार्य भी मानक के अनुरूप नहीं किया गया है। समस्या और भ्रष्टाचार की शिकायत उच्चाधिकारियों से किए जाने के बावजूद भी अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायत कर्ताओ ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास में भी मनमानी की जाती है। पहुंच और दलाल किस्म के लोगों का फार्म नगर पंचायत कर्मियों द्वारा फीडिंग कर ऊपर भेज दिया जाता है जबकि गरीब और और जरूरतमंद लोगों को आवास मुहैया नहीं कराया जाता है। शिकायत कताओं में प्रमुख रूप से भीरा निवासी ताहिर सनाउल्लाह, मुंनोवर आदि शामिल हैं। इस बावत अधिशासी अधिकारी वलीदपुर नितेश गौरव ने बताया कि नगर पंचायत में लोगों के पेयजल की समस्या के लिए कुल 90 स्थानों पर समरसेबल लगाया गया है लेकिन कुछ स्थानों पर लोग समरसेबल चला कर छोड़ देते हैं इसका दुरुपयोग किया जाता है। इसके चलते बार-बार समरसेबल जलने की समस्या आ रही है। समय से और आवश्यकतानुसार समरसेबल का उपयोग करने की सलाह पर लोग झगड़ा करने पर उतारू रहते हैं। जहां तक लाइट का प्रश्न है नगर पंचायत की सभी स्ट्रीट लाइट जल रही है। खराब होने पर उसको ठीक करा दिया जाता है।

सर्वदलीय शोकसभा कर विपिन रावत की दी श्रद्धांजलि

मोहम्मबाद गोहना, मऊ। स्थानीय तहसील परिसर में गुरुवार को सर्वदलीय एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिस में देश के रहे जनरल (सीडीएस) विपिन रावत व उनकी धर्मपत्नी मधुलिका समेत 13 लोगों की हुई दर्दनाक मौत को लेकर गहरा दुःख जताया गया सभी मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सैनिक व किसान नेता नागेंद्र सिंह ने कहा कि तमिलनाडु में हेलिकॉप्टर क्रैश होने से हुई जनरल की असमायिक मृत्यु देश को हमेशा कमी खलेगी। एक बहादुर युद्धा के जाने का गम हर किसी को सता रहा है। कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह दाढ़ी ने कहा कि जनरल रावत एक उत्कृष्ट सैन्य अधिकारी के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे। विरेन्द्र तिवारी ने कहा कि देश की सुरक्षा को अपने साहसिक निर्णय और सैन्य बलों का मनोबल ऊंचा बनाए रखने के लिए जनरल रावत द्वारा दिए गए योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। देश के लिए दिए गए बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बैठक के आखिर में सभी लोगों ने मृत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर ईश्वर से प्रार्थना किए।

सीडीएस व अन्य अधिकारियों को दी गई श्रद्धांजलि

मऊ। साई कालेज आफॅ फामेर्सी सिकटीया में कुन्नूर में हुए हादसे में देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल विपिन रावत की शहादत पर श्रद्धांजलि दी गयी। साई कालेज आफॅ फामेर्सी के प्रबधंक अखिलेश राय ने बताया कि देश के सीडीएस जनरल विपिन रावत बेहद मिलनसार थे। सेना के विकास में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। सेना प्रमुख और सीडीएस रहते हुए एक तरफ उन्होंने भारत के मित्र देशों से रिश्तों को अधिक मजबूत किया, वहीं दुश्मनों को समय-समय पर सबक भी सीखाया। यही कारण है कि अक्सर जनरल विपिन रावत के बयानों से पाकिस्तान और चीन बौखलाए रहते थे। वही साई कालेज आफॅ फामेर्सी सिकटीया, प्रधानाचार्य ब्रिजेश दुबे ने कहाकि इसी साल अप्रैल में विपिन रावत ने रायसीना डायलॉग में खुलकर कई मुद्दों पर बात रखी थी। कहा था, चीन चाहता है माय वे ऑर नो वो। वो अपनी हर बात मनवाना चाहता है। भारत उसके सामने मजबूती से खड़ा है। हमने साबित किया है कि किसी भी तरह का दबाव डालकर हमें पीछे नहीं धकेला जा सकता। इन्दु प्रकाश फामेर्सी कालेज, इन्दु प्रकाश पालीटेक्निक कालेज मे भी मनाया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य सुनिल चैधरी, अशजद कमाल, अखिलेश सिंह, सतेन्द्र यादव, अविनाश पाण्डेय, साधना, फातिमा फिरदौस, पीयूष, विवेक पाण्डेय, रिया सिंह, अजली आदि उपस्थित थे।

हेड के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

वार्नर व लाबुशेन के अर्धशतक, आस्ट्रेलिया सात विकेट पर 343 रन

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑलराउंडर ट्रैविस हेड नाबाद 112 के शानदार शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले एशेज टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को सात विकेट के नुकसान पर 343 का मजबूत स्कोर बना लिया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया अब 196 रनों की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में आ गया है। इंग्लैंड को पहले दिन 147 के छोटे स्कोर पर ऑलआउट करने के बाद जोश से भरी ऑस्ट्रेलियाई टीम बल्लेबाजी में भी इंग्लैंड पर भारी पड़ी। मार्कस हैरिस के रूप में ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट बेशक 10 के स्कोर पर गिर गया, लेकिन इसके बाद टी-20 विश्व कप के हीरो रहे डेविड वार्नर ने फॉर्म जारी रखते हुए शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 156 रन की बड़ी साझेदारी की। 166 के स्कोर पर लाबुशेन के आउट होने के साथ ही यह साझेदारी टूट गई। फिर अनुभवी बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ क्रीज पर आए और 12 रन बना कर आउट हो गए। 189 के स्कोर पर यह तीसरा विकेट था। इसके ठीक बाद 195 के स्कोर पर वार्नर के रूप में ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट गिर गया। वार्नर और लाबुशेन क्रमशः 94 और 74 रन बना कर आउट हुए। सभी बड़े खिलाड़ियों के आउट होने के बाद सवाल ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर तक पहुंचने का था और फिर क्रीज पर ऑलराउंडर ट्रैविस हेड आए, जिन्होंने शानदार पारी खेलते हुए दूसरे दिन के खेल तक ऑस्ट्रेलिया को न केवल 343 के मजबूत स्कोर पर पहुंचाया, बल्कि 196 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त भी दिलाई। वह 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 95 गेंदों पर 112 रन पर खेल रहे हैं। उनके साथ क्रीज पर बाएं हाथ के बल्लेबाज मिचेल स्टार्क मौजूद हैं जो 10 के स्कोर पर हैं। इंग्लैंड की तरफ से ओली रॉबिंसन ने सर्वाधिक तीन विकेट लिया है।

हेड ने 85 गेंदों पर जड़ा सैकड़ा

महज 85 गेंदों में सैकड़ा पार करते हुए हेड ने संयुक्त रूप से एशेज सीरीज के इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक बनाया। साथ ही वह गाबा में एक सेशन में टेस्ट शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए। जब वह बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे तब दूसरे सेशन में 29 रनों के भीतर ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट गंवाए थे और उनके पास केवल 48 रनों की बढ़त थी। इंग्लैंड की तरफ से ऑली रॉबिंसन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके लेकिन अंतिम सेशन में हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा।

गाबा टेस्ट में नो बॉल मॉनिटरिंग तकनीक काम न करने पर विवाद

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गाबा के मैदान पर खेले जा रहे पहले एशेज टेस्ट मैच में नो बॉल की मॉनिटरिंग करने वाली तकनीक के काम न करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल 13वें ओवर में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज बेन स्टोक्स डेविड वार्नर का विकेट लेने से चूक गए। वार्नर को हालांकि पहले आउट दिया गया था, लेकिन रीप्ले से नो बॉल का पता लगने के बाद अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इस प्रकरण के बाद ऑस्ट्रेलिया के एशेज प्रसारक चैनल 7 ने खुलासा किया कि स्टोक्स ने मैच के दूसरे दिन गुरुवार को 14 बार अपना पैर क्रीज से बाहर निकाला, लेकिन केवल दो बार ही नो बॉल दी गई। प्रसारक ने यह भी कहा कि यहां तक कि स्टोक्स ने वार्नर को आउट करने से पहले डाली तीन गेंदों पर भी क्रीज से पैर बाहर निकाला, लेकिन अंपायर ने उन्हें नो बॉल करार नहीं दिया। बाद में हालांकि यह पुष्टि हुई कि खेल शुरू होने से पहले हर गेंद पर गेंदबाज का पैर चैक करने वाली तकनीक खराब हो गई थी। ऐसे में गाबा टेस्ट खेल की पुरानी परिस्थितियों के अनुसार खेला जा रहा था। इसके तहत केवल उस गेंद पर ही नो बॉल चैक की जाती है, जिस पर गेंदबाज विकेट लेता है। इस घटना के बाद मैच अधिकारी सवालों के घेरे में खड़े हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी ने दिसंबर 2019 में हर गेंद पर गेंदबाजों का पैर चैक के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जाना अनिवार्य किया था।

स्टोक्स के घुटने की चोट ने इंग्लैंड की परेशानी बढ़ाई

गाबा में चल रहे पहले एशेज टेस्ट के दूसरे दिन चोटिल बेन स्टोक्स का रात भर आकलन किया जाएगा। इंग्लैंड टीम के चिकित्सा कर्मचारी उनके चोट की जांच करेंगी। समझा जा रहा है कि स्टोक्स को घुटने में यह चोट ऑस्ट्रेलियाई पारी के 29वें ओवर में लगी जब वह सीमा रेखा की ओर जा रही गेंद का पीछा कर रहे थे। इसके बाद वह पूरे दिन संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने पहले स्पेल में तीन ओवर डाले जिसमें नो-बॉल पर डेविड वॉर्नर का विकेट शामिल था और पूरे दिन में केवल नौ ओवर गेंदबाजी की। इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच जॉन लुईस ने कहा कि जाहिर है कि बेन मैदान पर चोटिल हुए हैं और इसलिए उन्होंने अंतिम सेशन में तेज गति से गेंदबाजी नहीं की। हमारी मेडिकल टीम रात भर उनका आकलन करेगी और देखेगी कि वह कैसे हैं। उनके अलावा बाकी सब लोग ठीक हैं। मेहमान टीम के लिए तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज साबित हुए ऑली रॉबिंसन भी तीसरे सेशन में संघर्ष करते नजर आए। वह उपचार के लिए मैदान से बाहर गए थे और उन्होंने दूसरी नई गेंद से गेंदबाजी भी नहीं की। हालांकि लुईस ने कहा कि वह चोटिल नहीं है।

2017 के विश्व कप ने भारतीय महिला क्रिकेट को बदल दिया

पूनम राउत ने कहा, अब माता-पिता लड़कियों का खुलकर कर रहे समर्थन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इंग्लैंड में आयोजित 2017 आईसीसी महिला विश्व कप ने भारत में महिला क्रिकेट को काफी हद तक बदल दिया। यह कहना है दिग्गज बल्लेबाज पूनम राउत का है, जिन्होंने उस टूर्नामेंट के फाइनल मैच में 85 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। भारत के फाइनल में हारने के बाद भी देश में महिला क्रिकेट के लिए चीजें बदल गईं।

राउत ने कहा, हमने इंग्लैंड में 2017 विश्व कप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और वहां से भारत में महिला क्रिकेट के लिए चीजें काफी बदल गईं। हमारे मैचों का प्रसारण शुरू हो गया और अच्छी मीडिया कवरेज मिली। यहां तक कि माता-पिता भी क्रिकेट खेलने वाली लड़कियों को आगे करने लगे। उन्होंने आगे कहा, पहले माता-पिता शिकायत करते थे, लेकिन अब वे लड़कियों को क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित करते हैं। यहां तक कि कई लोग मुझसे महिला क्रिकेट के विभिन्न स्तरों और चयन की पूरी प्रक्रिया के बारे में पूछते हैं। कुल मिलाकर समाज बदल गया है और अधिक महिलाएं क्रिकेट खेल रही हैं। पुनम का मानना है कि उनके समय की तुलना में अब भारत में महिलाएं अच्छे से खेल पा रही हैं।

उन्होंने आगे कहा, अब हमारे पास एक अच्छा घरेलू ढांचा है और एक सीजन में उचित मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जाते हैं। हालांकि, हम जितने मैच खेलते हैं वह पुरुषों की तुलना में कम है। लेकिन, यह पहले की तुलना में बेहतर है। एक महिला आईपीएल के आयोजन पर उनको लगता है कि यह पांच या छह टीमों के साथ लीग को कराया जा सकता है। बल्लेबाज ने कहा, हां, मैं महिला आईपीएल को लेकर बहुत आशावादी हूं। लीग भारतीय महिला क्रिकेट टीम को निडर और नए खिलाड़ी प्राप्त करने में मदद करेगी, जैसा कि अब हम पुरुष टीम के साथ देखते हैं। युवाओं को खेल के दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का मौका मिलेगा।

पैरा खेलों में भारत ने जीते 12 स्वर्ण

कुल 41 पदकों के साथ एथलीटों का शानदार प्रदर्शन

मनामा। भारतीय एथलीटों का यह साल शानदार रहा है। फिर वह चाहे 2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों की बात हो या पैरालंपिक खेल। इस प्रदर्शन को दोहराते हुए देश के युवा पैरा एथलीटों ने बहरीन के रिफा शहर में समाप्त हुए एशियाई युवा पैरा खेलों 2021 में अपना परचम लहराया है। एशियाई युवा पैरा खेलों में भारतीय टीम 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य सहित कुल 41 पदक जीत कर बुधवार को स्वदेश लौटी है। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा पदक एथलेटिक्स में जीते हैं। 22 खिलाड़ी पोडियम शीर्ष तीन तक पहुंचने में सफल रहे। आठ खिलाड़ियों ने स्वर्ण, छह ने रजत और आठ ने कांस्य पदक जीते हैं। बैडमिंटन में भारत को 15 पदक मिले, जिसमें टोक्यो पैरालंपियन पलक कोहली, संजना कुमारी और हार्दिक मक्कड़ ने आपस में तीन मेडल साझा किए तैराकी में भारत के नाम तीन पदक रहे, जिसमें एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं।

जोकोविच को नहीं मिलेगी विशेष अनुमति

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने अटकलों पर लगाया विराम

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने गुरुवार को दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को लेकर मीडिया में चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए विशेष अनुमति न दिए जाने की घोषणा की।

मॉरिसन ने कहा, जोकोविच को उन सभी नियमों का पालन करना होगा जो अन्य खिलाड़ियों के लिए हैं। टेनिस खिलाड़ियों, यहां तक कि सांसदों और अन्य किसी भी व्यक्ति के लिए कोई विशेष नियम नहीं हैं। वह एक ही नियम से खेलते हैं। उधर जोकोविच ने अब भी अपने टीकाकरण की स्थिति का खुलासा न करने पर अड़े हुए हैं। 2022 के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में 17 से 30 जनवरी के बीच होना है।

विराट कोहली जैसे लीडर व बल्लेबाज की हमेशा जरूरत

नए कप्तान रोहित शर्मा ने कहा

मुंबई भारतीय वनडे टीम के नए कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि टीम को विराट कोहली की क्षमता और नेतृत्व वाले खिलाड़ी की हमेशा जरूरत रहेगी। उन्होंने कहा कि मैदान पर कप्तान का काम सिर्फ 20 प्रतिशत ही होता है, बाकी 80 प्रतिशत काम मैदान से बाहर का होता है, जब योजनाएं बनती हैं।

रोहित ने कहा, टीम को हमेशा से विराट जैसे बल्लेबाज की जरूरत होती है। टी20 में उनकी औसत 50 से अधिक है, जो कि आश्चर्यजनक है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी, अनुभव और कप्तानी से कई बार टीम को मुश्किलों से निकाला है। रोहित के मुताबिक एक कप्तान उतना ही अच्छा होता है, जितनी अच्छी उसकी टीम होती है। उन्होंने कहा, कप्तान का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि मैदान पर सही संयोजन के खिलाड़ी उतरे और बनाई गई रणनीति का पालन करे। जब कोई खिलाड़ी एकदम से खराब प्रदर्शन कर रहा हो तब जाकर उससे बात करे, नहीं तो वह टीम के अन्य खिलाड़ियों की ही तरह टीम के साथ कंधे से कंधा मिलाए। हां, जब खुद के प्रदर्शन की बात हो तो वह आगे आकर प्रदर्शन करे। मेरी भूमिका मैदान के अंदर से अधिक मैदान के बाहर की होगी। मैदान पर एक पारी के दौरान आपके पास मुश्किल से तीन-साढ़े तीन घंटे का समय होता है और उस दौरान आप शायद ही कोई बड़ा बदलाव कर सकते हैं। आईसीसी टूर्नामेंटों में टीम इंडिया की रणनीति के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, हम हाल के कुछ आईसीसी इवेंट में इसलिए हारे क्योंकि हमारी खराब शुरुआत हुई। इसलिए अब नंबर चार से छह तक के बल्लेबाजों को भी जम्मिदारी लेनी होगी और उन्हें उसी हिसाब से तैयारी करनी होगी।

अफगानिस्तान में एथलीटों की मदद करेगी आईओसी

आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति आईओसी ने गुरुवार को अफगानिस्तान में एथलीटों की मदद करने की घोषणा की। इसके तहत आईओसी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त के साथ मिल कर अफगानिस्तान में ओलंपिक समुदाय को सीधे 5,60,000 डॉलर तक की मानवीय वित्तीय सहायता पैकेज प्रदान करने के लिए काम करेगी। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा, अफगानिस्तान में ओलंपिक समुदाय को मानवीय आधार पर वीजा प्राप्त करने के लिए दी गई मदद के बाद यह निर्णय लिया गया है।

वीजा मिलने के बाद लगभग 300 लोग देश छोड़ने में सक्षम हुए। यह हमारी तालिबान के साथ बातचीत और शांत कूटनीति प्रयासों का भी परिणाम है। उन्होंने न केवल इस मदद को स्वीकार किया, बल्कि इसका समर्थन भी किया। यह दिखाता है कि शांत कूटनीति काम करती है और इसका क्या असर हो सकता है। आईओसी अध्यक्ष ने कहा कि यह मानवीय सहायता पैकेज केवल यूएनएचसीआर और संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी के साथ हमारी उत्कृष्ट साझेदारी के कारण ही लागू किया जा सकता है।समझा जाता है कि इस मदद से दो हजार लाभार्थियों को लाभ होगा, जिसमें राष्ट्रीय खेल टीम के एलीट वर्ग के एथलीट और कोच और राष्ट्रीय महासंघ के अधिकारी शामिल हैं, जो महिलाओं को दी गई प्राथमिकता के साथ अभी भी अफगानिस्तान में रह रहे हैं। अफगानिस्तान पैरालंपिक समुदाय और गैर ओलंपिक खेल राष्ट्रीय महासंघों को भी एकमुश्त सहायता दी जाएगी। आईओसी सर्दियों में लाभार्थियों को उनकी खेल गतिविधियों को जारी रखने में भी मदद करेगा। इसके अलावा तालिबान के साथ परामर्श के बाद आईओसी और अफगान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के निर्वाचित पदाधिकारी पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राष्ट्रीय महासंघों के साथ उम्मीदवारों की सूची बनाने में सहयोग करेंगे।

एमेली फ्रेंच ओपन की पहली महिला निदेशक

नई दिल्ली। फ्रांस की पूर्व टेनिस खिलाड़ी एमेली मौरेस्मो को गुरुवार को प्रमुख टेनिस टूर्नामेंट रौलां-गैरो यानी फ्रेंच ओपन का निदेशक नियुक्त किया गया है। वह टूर्नामेंट की पहली महिला निदेशक बनीं हैं। रोलैंड-गैरोस ने गुरुवार को एक ट्वीट में कहा, मौरेस्मो रौलां-गैरो टूर्नामेंट का नेतृत्व करने वाली पहली महिला हैं। उल्लेखनीय है कि दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता मौरेस्मो गाय फॉरगेट की जगह लेंगी, जो 31 नवंबर को अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद मंगलवार को इस भूमिका से हट गए थे। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी मौरेस्मो ने 2006 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन दोनों खिताब जीते थे। मौरेस्मो ने रौलां-गैरो द्वारा साझा किए गए एक पोस्ट में कहा, मुझे रौलां-गैरो टीम में शामिल होने पर बहुत गर्व है। मैंने स्पष्ट महत्वाकांक्षा के साथ टूर्नामेंट निदेशक का पद स्वीकार किया है। मैं इसे उसी उच्च मानकों, स्वतंत्रता और जुनून के साथ पूरा आगे लेकर जाऊंगी, जिसने मुझे हमेशा प्रेरित किया है।

बाबर आजम ने लिया पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट

ढाका। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान एवं स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के पांचवें और आखिरी दिन गुरुवार को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट लिया। उन्होंने बाएं हाथ से ऑफ ब्रेक गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेशी ऑलराउंडर मेहदी हसन को पगबाधा आउट कर विकेट का खाता खोला। बाबर ने कहा, मैंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट और अंडर-19 क्रिकेट में नियमित रूप से गेंदबाजी की है। मैं अभ्यास सत्र में अपने बल्लेबाजों को भी नियमित रूप से गेंदबाजी करता हूं।

मप्र की दिव्यांग टीम ने राजस्थान को 16 रनों से हराया

भोपाल। राजस्थान में खेली जा रही अखिल भारतीय दिव्यांगजन टी20 प्रतियोगिता में शुरुआती दिन मध्य प्रदेश का दबदबा रहा है। राज्य के होनहार खिलाड़ियों ने राजस्थान को हर मोर्चे पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पराजय का स्वाद चखाया है। अखिल भारतीय बधिर क्रीड़ा परिषद नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ ऊषा पंजाबी इंदौर के तत्वावधान में एवं मध्य प्रदेश बधिर क्रीड़ा समिति इंदौर, संजय सोनी के नेतृत्व में मूक बधिर दिव्यांग जन वेस्ट जोन की टीम टी 20 क्रिकेट चैंपियनशिप में भाग लेकर अच्छा प्रदर्शन किया। गुरुवार को मैच में राजस्थान को पछाड़ दिया। मध्य प्रदेश ने राजस्थान को 16 रनो से हराया। टॉस जीत कर एमपी टीम के कप्तान रजनीश तिवारी ने पहले बैटिंग करते हुए 19.3 ओवर में 126 रन बनाकर पूरी टीम आउट हो गई। एमपी की ओर से मुकुल गुप्ता 24 रन, दीपक 19 रन का योगदान दिया। जबकि राजस्थान की तरफ से हनुमान राम ने चार विकेट लिए। मध्य प्रदेश के रौनक सिंह एवं गुलाब साहू की घातक गेंदबाजी के आगे पूरी राजस्थान की टीम 110 पर आल आउट हो गई। रौनक ने तीन एवं गुलाब साहू ने चार विकेट लिए। राजस्थान की ओर से ओमा राम 38 और दरबार सिंह 40 रन बनाए।

नीदरलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा अफगानिस्तान

काबुल। अफगाानिस्तान क्रिकेट बोर्ड एसीबी ने कहा है कि वह अगले साल नीदरलैंड के खिलाफ दोहा में तीन मैचों की वनडे सीरीज की मेजबानी करेगा। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 21 जनवरी से शुरू होगी, जिसमें दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 23 और 25 जनवरी को खेला जाएगा। तीनों मैच एशियन टाउन क्रिकेट स्टेडियम, दोहा में खेले जाएंगे। जनवरी में आयरलैंड को 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद अफगानिस्तान ने एकदिवसीय सुपर लीग में 30 अंक हासिल कर लिए हैं, जो 2023 विश्व कप में क्वालिफिकेशन के लिए जरूरी अंक हैं। अफगानिस्तान इस सीरीज के बाद जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ एक सीरीज खेलेगा। वहीं एकदिवसीय सुपर लीग में नीदरलैंड्स के पास 25 अंक हैं। अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की भी मेजबानी करने वाला है और फिर 2023 तक आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग के अंतर्गत आने वाली श्रृंखलाओं के लिए भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका की यात्रा करेगा। एकदिवसीय सुपर लीग 13 टीमों की श्रृंखला है जो 2 सालों तक खेला जायेगी। इस श्रृंखला में आने वाले परिणामों के आधार पर यह तय भी किया जाएगा कि कौन सी टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप में क्वालीफाई करेगी। भारत, जो 2023 विश्व कप का मेजबान है, और सुपर लीग की अन्य शीर्ष सात टीमें अपने आप क्वालीफाई कर लेंगी।

विजय हजारे ट्रॉफी: कप्तान सुभ्रांशु का शानदार शतक, ओडिशा ने आंध्र को हराया

मुंबई। कप्तान सुभ्रांशु सेनापति के शतक से ओडिशा ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट के ग्रुप ए में बुधवार को यहां आंध्र को 63 रन से हराया जबकि गुजरात और विदर्भ ने भी अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया। गुजरात ने जम्मू-कश्मीर को पांच विकेट से हराया जबकि विदर्भ ने हिमाचल प्रदेश को सात विकेट से शिकस्त दी। ओडिशा ने सुभ्रांशु के 116 रन के अलावा सलामी बल्लेबाज संदीप पटनायक (57) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 92 और गोविंद पोदार (46) के साथ तीसरे विकेट की 124 रन की साझेदारी की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 278 रन बनाए। सुभ्रांशु ने 120 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े। विकेटकीपर बल्लेबाज राजेश धूपर ने भी 17 गेंद में नाबाद 28 रन बनाए। आंध्र की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने पांचवें ओवर में 17 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए थे। टीम इस खराब शुरूआत से नहीं उबर पाई और अंततः 46.3 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। रिकी भुई 74 रन के साथ आंध्र के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि मनीष गोलामारू ने 41 गेंद में 48 रन का योगदान दिया। ओडिशा की ओर से जयंत बेहड़ा ने 24 रन देकर चार जबकि देवव्रत प्रधान ने 56 रन देकर दो विकेट चटकाए। दूसरी तरफ गुजरात ने चिंतन गजा (30 रन पर चार विकेट) और हेमंग पटेल (29 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी से जम्मू-कश्मीर को 42.1 ओवर में 171 रन पर समेटने के बाद 79 गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 172 रन बनाकर जीत दर्ज की। गुजरात की ओर से भार्गव मेराई ने 83 गेंद में पांच चौकों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए जबकि रिपल पटेल ने 33 रन की पारी खेली। एक अन्य मैच में कप्तान रिषी धवन (61) के अर्धशतक के बावजूद हिमाचल की टीम 46 ओवर में 213 रन पर सिमट गई। विदर्भ की ओर से यश ठाकुर ने 53 रन देकर पांच विकेट चटकाए जबकि अक्षर वखारे और दर्शन नालकंडे ने दो-दो विकेट हासिल किए। इसके जवाब में विदर्भ ने अथर्व ताइडे (64) और यश राठौड़ (नाबाद 76) के अर्धशतकों से 39.5 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

भारत ए व दक्षिण अफ्रीका ए के बीच टेस्ट मैच ड्रॉ

बारिश ने रोका खेल, भारत ने तीन विकेट पर 90 रन बनाए

ब्लूमफोंटेन (एजेंसी)। भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच यहां खेले जा रहे तीसरे चार दिवसीय गैर आधिकारिक टेस्ट मैच को चौथे और अंतिम दिन गुरुवार को बारिश की वजह से खेल शुरू न हो पाने के कारण ड्रॉ घोषित कर दिया गया। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ए ने गुरुवार को एक विकेट पर 196 रन से अपना स्कोर आगे बढ़ाते हुए लंच के बाद तीन विकेट पर 311 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी और भारत ए के सामने 304 रन का लक्ष्य रखा। भारत ए ने इसका पीछा करते हुए तीन विकेट पर 90 रन बनाए थे कि बारिश आने के कारण खेल रोक दिया गया और चायकाल ले लिया गया। इसके बाद बारिश न रुकने की वजह से मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया गया। दक्षिण अफ्रीका ए की तरफ से शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जुबैर हम्जा ने दूसरी पारी में सर्वाधिक 125 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सारेल अर्वी 97 रन बना कर आउट हुए। भारत की तरफ से पृथ्वी शॉ ने 38, अभिमन्यु ईश्वरन ने 19 और देवदत्त पडिकल ने 15 रन बनाए। खेल रुकने के समय कप्तान हनुमा विहारी 13 और ईशान किशन खाता खोले बिना क्रीज पर थे। उल्लेखनीय है कि भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच खेले गए तीनों चार दिवसीय गैर आधिकारिक टेस्ट मैच ड्रॉ रहे।

दिल्ली की हैदराबाद के खिलाफ 79 से बड़ी हार

मोहाली। एक बार की विजेता दिल्ली को यहां गुरुवार को हैदराबाद के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी 2021-22 के एलीट ग्रुप सी के दूसरे दौर के मैच में 79 से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट में यह उसकी पहली हार है, जबकि हैदराबाद की लगातार दूसरी जीत है। टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लेने वाली दिल्ली की टीम का गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शीर्ष क्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा (139) की शतकीय पारी और चंदन साहनी के शानदार 87 रन की बदौलत निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 325 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली इतने ओवरों में नौ विकेट गंवा कर 246 रन ही बना सकी। तिलक ने सात चौकों और आठ छक्कों की मदद से 123 गेंदों पर 139 रन बनाए, जबकि चंदन ने 74 गेंदों पर 87 रन की पारी में पांच चौके और सात छक्के जड़े। हैदराबाद ने गेंदबाजी में भी प्रशावशाली प्रदर्शन किया। लेफ्ट आर्म स्पिनर तनय त्यागराजन ने 10 ओवर में 33 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिए। इससे पहले उन्होंने बल्लेबाजी में सात गेंदों पर ताबड़तोड़ 15 रन भी बनाए। इसके अलावा चमा वी मिलिंद और कार्तिकेय काक ने दो-दो तथा तेलुकुपल्ली रवि तेजा और मिकिल जायसवाल ने एक-एक विकेट लिया। दिल्ली की ओर से मध्य क्रम के सभी बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन कोई भी लंबी और मैच विजयी पारी नहीं खेल पाया। हिम्मत सिंह ने सर्वाधिक 47, विकेटकीपर बल्लेबाज अनुज रावत ने 36 और ललित यादव, क्षितिज शर्मा और कप्तान प्रदीप सांगवान ने 28-28 रन बनाए।

बसपा छोड़ प्रियंका के साथ आए विक्रम सिंह, शाहगंज विधानसभा में बीएसपी को लगा गहरा धक्का

प्रखर खेतासराय जौनपुर। पत्रकार से बसपा नेता बने विक्रम सिंह विक्की ने पार्टी को बसपा यूनिट को गहरा झटका लगा है।

मालूम हो कि विक्रम सिंह सदस्यता ले ली।पार्टी में निष्ठावान होने के चलते विभिन्न पदों पर रहने के साथ जिला संयोजक उन्हें शाहगंज विधानसभा सभा से चुनाव लड़ने की मांग होने लगी।इधर पार्टी में वरिष्ठ नेताओं का लगातार पार्टी छोड़े जाने की वजह से वे काफी आहत थे।2022 के विधानसभा चुनाव में टिकट मिलने की आसार भी कम हो गया था।

बीते बुधवार को उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के समक्ष लखनऊ में सदस्यता ग्रहण कर लिया।पार्टी छोड़े जाने के बाबत उन्होंने कहा कि बहन कुमारी मायावती की तानाशाही नीति के चलते पार्टी को छोटे दल के स्थान पर खड़ा कर दिया है।एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं प्रियंका गांधी की क्रांतिकारी कर्मठता से बहुत प्रभावित हूँ।विक्की के कांगेस में आने से कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता नदीम जावेद, जिलाध्यक्ष फैसला हसन तबरेज,समाजसेवी फैसल ने प्रसन्नता जताई है।

अलविदा कह कर लखनऊ में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण किया।विक्की के पार्टी बदलने से लम्बे समय से एक प्रतिष्ठित दैनिक अखबार के पत्रकार थे, उन्होंने ने 2000 में बसपा की तक का राजनीतिक सफर तय किया।करीब बीस वर्षो तक पार्टी में लगातार रहने की वजह से

ऊबड़-खाबड़ रास्तों ने डिप्टी सीएम को अपनी व्यथा कथा से कराया अवगत

प्रखर जखनियां गाजीपुर। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अंधऊ हवाई पट्टी से हथियाराममठ जखनियां के लिए रवाना हुए। जंगीपुर से होते हुए

हंसराजपुर जखनियां हथियाराम मठ के रास्ते पर गड्ढायुक्त सड़कों ने अपनी दुर्दशा का खूब अहसास कराया। पूरे रास्ते डिप्टी सीएम का काफिला हिलकोले खाता रहा। इस दौरान सहकारिता राज?य मंत्री डा. संगीता बलवंत, विधायक अलका राय, विधायक सुनीता सिंह, जिला पंचायत अध?यक्ष सपना सिंह, प्रवीण सिंह, ओमप्रकाश राय, दयाशंकर सिंह अनिल कुमार पांडेय, सहित और कार्यकर्ता मौजूद रहे।हथियाराम मठ पर पहुंच कर बुढ़िया माई के दरबार में मत्था टेका और पीठाधिपति के आचार्यत्व निर्देशन में मां का पूजन अर्चन किया।

महिलाओं पर हो रहे उत्पीड़न अत्याचार को रोकने लिए बताये गये उपाय

मऊ। मिशन शक्ति के अंतर्गत कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के प्राविधानों पर जागरूकता कार्यक्रम जिलाधिकारी अमित सिंग बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा यौन उत्पीड़न को परिभाषित किया गया। कामकाजी महिला के प्रति सरकार और नियोक्ता (मालिक) की जिम्मेदारियां भी तय की गई। यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए उचित उपाय बताए गए। मुख्य विकास अधिकारी राम सिंह वर्मा ने कहा कि महिलाओं के हो रहे उत्पीड़न को रोकने के लिए भारत सरकार ने महिला लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013 लागू किया गया है। कानून एवं नियमों के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए वह संगठनों के लिए कमेटी स्थापित करने की जरूरत है। इसमें दो प्रकार की समिति होती है जिसमें आंतरिक शिकायत समिति एवं स्थायी शिकायत समिति, आंतरिक शिकायत समिति के गठन की जिम्मेदारी नियुक्त यानी मालिक की है। कार्यस्थल की हर इकाई ने आंतरिक शिकायत समिति का गठन जरूरी है आंतरिक शिकायत समिति में चार मुख्य सदस्य होने चाहिए। समिति के हर सदस्य का कार्यकाल तीन साल का होगा, समिति में चार प्रतिशत भी सदस्य महिला होनी चाहिए। सरकारी क्षेत्र, निजी क्षेत्र, अस्पताल, नर्सिंग होम, खेल की संस्थाएं, स्टेडियम खेल या प्रतियोगिता स्थल, किसी का घर, अगर वहां घरेलू श्रमिक काम करते हो, असंगठित क्षेत्र, अगर कर्मचारी किसी भी जगह पर काम के सिलसिले जाता हो, यातायात के साधन ने काम के लिए सफर करना ये कार्यस्थल के क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। साथ ही उत्पीड़न महिला शिकायत करने के लिए पीडित महिला को यौन उत्पीड़न की घटना घटने के तीन महीने के अंदर लिखित शिकायत करनी होती है या विशेष परिस्थितियों में छह महीने तक भी शिकायत की जा सकती है, जरूरत पड़ने पर समिति द्वारा पीड़ित महिला को शिकायत लिखने में मदद करनी होगी, अगर पीड़ित महिला बीमार हो या उसकी मृत्यु हो गई हो तो कोई अन्य व्यक्ति भी शिकायत दर्ज करा सकता है, जिसे घटना की जानकारी हो।

राष्ट्रवादी चिंतक मंच के प्रधान कार्यालय में हुई गोष्ठी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाघा जतिन नाथ मुखर्जी पूरा नाम यतीन्द्र नाथ मुखर्जी था। गांव में एक आदमखोर बाघ को मार गिराए था।तभी बाघा जतिन नाथ नाम पड़ा। जतिन नाथ एक युगांतर नाम का क्रांतिकारी संगठन खड़ा किया।वे

यतीन्द्र नाथ मुखर्जी को किया श्रद्धा सुमन अर्पित

अपनी सेना बनाने के पक्ष में थे जिसे रासबिहारी बोस ने आगे बढ़ाया। वे 1857 जैसी क्रांति चाहते थे स-1915 में मुखबिरी के कारण पकड़े गए।क्रांतिकारी दोस्त उन्हे प्यार से जतिन दा पुकारते थे। लाहौर षड्यंत्र में इनका प्रमुख नाम था। जेल में इनके साथ भगत सिंह भी थे अदभ्य साहस, सोच पॉजिटिव, हमेशा सत्य का साथ देना। 63 दिन की भूख हड़ताल जेल के अंदर किया। करने के पहले जिस साथी को भूख से मरने का कारण बने उन्हे डरना नहीं है। बोरस्टल जेल लाहौर में ही था । भगत सिंह सरकार द्वारा डॉक्टर गोपीचंद भार्गव, पुरषोत्तम दास टंडन, भगत सिंह के साथ जतिन दा के भूख हड़ताल खत्म करने के उद्देश्य से बोरस्टल जैलाए। भगत सिंह के कहने से पन्द्रह दिन और जिवित रहना होगा। भगत सिंह की बात मान गए। 13 सितंबर 1929 को borstal जेल में अंतिम सांस ली श्री चरणों में समर्पित हो गए। राष्ट्रवादी चिंतक मंच के प्रधान कार्यालय में गोष्ठी आयोजित हुआ और श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

बीएसडब्ल्यू एजुकेशनल सोसाइटी ने जरूरतमंदो को किया मास्क और कुर्ता वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएचडीई) के आधीन कार्यरत अपैरल मेडअप्स एंड होम फर्निशिंग काउंसिल(एएमएच एसएससी) ने शुक्रवार को बीएसडब्ल्यू एजुकेशनल सोसाइटी के द्वारा चेतगंज में 1500 जरूरतमंदो को मास्क और कुर्ता वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के तौर एएमएचएसएससी के डिप्टी डायरेक्टर फाइनेंस एंड अकांउट सीए दीपक कुमार मौजूद थे। इसके अलावा बीएसडब्ल्यू एजुकेशनल सोसाइटी के सेकटरी ई० अशोक कुमार यादव ने एएमएचएससएससी का धन्यवाद दिया ` एएमएचएससएससी के महानिदेशक व सीईओ डॉ० रूपक वशिष्ट ने बताया कि बीएसडब्ल्यू एजुकेशनल सोसाइटी कमजोर एवं जरूरतमंदों को शिक्षित करने का काम कर रही है एवं आपदा में गरीबों व असहाय लोगो को मदद करने का काम कर रही है। सोसाइटी जरूरतमंदो को समय-समय भोजन वितरण वस्त्रों का वितरण करती रही है। एएमएचएससएससी द्वारा एएमएचएससएससी के सीएसआर इनेसेटिव के अन्तर्गत इसमें सहयोग किया जा रहा हैं। कोरोना अब भी

खत्म नहीं हुआ है और जैसे की सभी को मालूम है कि ओमीक्रोन वैरीयंट के कारण थर्ड बेव की आशंका बन रही है। इसके लिए लोगो के बीच मास्क वितरण किया जा रहा है। जरूरतमंदो को कुर्ता दिया गया है और भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियां करने का विचार है। सीए दीपक कुमार ने कहा कि कुछ ऐसे लोग है जो दान नहीं करते है क्योकि वे मानते हैं कि हर कोई कर रहा है और कुछ ऐसे भी लोग है जो अपना सहयोग देने के लिए बढ़चढ़ कर आगे आते है और सहयोग देते है ` एएमएचएससएससी के प्रशिक्षित लोगो द्वारा मास्क व कुर्ता तैयार किया गया है। समाज में हर किसी का अपना योगदान है। एएमएचएससएससी लगातार अपनी गतिविधियों के साथ समाज के हर हिस्से में अपना योगदान देने की कोशिश कर रहा है। इस मौके बीएसडब्ल्यू एजुकेशनल सोसाइटी के पदाधिकारी श्री विनोद कुमार यादव श्रीमति उमा यादव उपेन्द्र कुमार एवं शहर के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकरतों मे बृजेश चौरसिया ,छत्ती यादव , गोपाल गुप्ता , संजय केसरी , विनोद यादव (धरौरा) , शंकर साहू, रजत गुप्ता, गगन गुप्ता, प्रेम नारायण मौर्य एवं अन्य लोग मौजूद थे।

राजस्व कर्मियों द्वारा कराये गये कार्यो का एसडीएम ने किया अवलोकन

मोहम्मबाद गोहना, मऊ। स्थानीय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में आबादी जमीनों को चिन्हित करने और उस पर यथा स्थित अनुसार लोगों को कब्जा रास्ता या आबादी विस्तार करने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को उपजिलाधिकारी मनोज कुमार तिवारी द्वारा तहसील क्षेत्र के दपेहड़ी गांव में राजस्व कर्मियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया। इस दौरान गांव में आबादी भूमि को चुना लगा कर उसे चिन्हित किया गया तथा ड्रोन कैमरे से फोटो लिया गया। इस संबंध में एसडीएम श्री त्रिपाठी ने बताया कि मुकदमों का बोझ कम करने के लिए या गांव में आबादी के विस्तार को लेकर शासन द्वारा लिए गए निर्णय के क्रम में लोगों को ग्राम पंचायत की आबादी की जमीनों पर यथा सुलभ रास्ता, आबादी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तहसील क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायतों में घरौनी का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में दपेहड़ी ग्राम पंचायत में गुरुवार को उनके द्वारा राजस्व कर्मियों के कार्यों की समीक्षा की गई।

समाज को सदा समर्पित रहा प्रख्यात समाज सेविका डा.मंजुला राठौर का जीवन: रमेश यादव

प्रखर जखनियां गाजीपुर। स्वराज अभियान के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व देश के जाने-माने समाजशास्त्री प्रो.आनंद कुमार की पत्नी देश की सुप्रसिद्ध समाजसेविका डा. मंजुला राठौर (69) का गोवा में आज निधन हो गया है। उनके निधन की सूचना पर

कार्यकताओं एवं समाजसेवियों में शोक लहर दौड़ गई।वे पिछले एक सप्ताह से बीमार थीं।वह बसंत कन्या महाविद्यालय वाराणसी में प्रवक्ता के पद से 2007 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्त ले ली थी। उनके निधन पर हंसराजपुर बाजार स्थित गांधी आश्रम कैम्प में स्वराज अभियान के कार्यकर्ताओ ने बैठक कर डा.मंजुला राठौर को श्रंद्धाजलि दी।स्वराज अभियान के जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार एडवोकेट ने कहा कि उनका मार्गदर्शन हर समय मिलता रहता था। उनकी कमी पूरी नहीं की जा सकती है। रमेश यादव ने कहा कि डा.मंजुला राठौर जी पूरे जीवन समाज सेवा में लगी रहीं।वह उम्र के अंतिम पड़ाव में भी लोगों की सेवा से अपने कदम को पीछे नहीं मोड़ा।डा.प्रदीप यादव ने कहा कि ऐसे सौम्य, विनम्र, प्रतिभाशाली और मजबूत व्यक्तित्व के चले जाने से समाज की अपूर्णनीय क्षति हुई है। चर्चित कवि और गीतकार गौरीशंकर पाण्डेय सरस ने सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व पर अपनी रचना से प्रकाश डालते हुए कहा -"था समर्पित जीवन जिनका,समाज के उत्थान में।निष्कपट निश्छल विचारधारा,प्रवहमान था जन कल्याण में।। विनम्रता की मूर्ति थी, स्फूर्ति की संचारिका।थीं निर्भीकता की पराकाष्ठा, कुशाग्र बुद्धि धारिका।।"शोक सभा में डा.लालजी भारद्वाज,मोती यादव, रणविजय सिंह,डा.सुरेन्द्र यादव, बिरेन्द्र प्रताप सिंह,डा.ओमप्रकाश गुप्ता,डा.प्रमोद यादव,पवन कुमार प्रजापति, जितेन्द्र यादव, आदि उपस्थित रहे।

माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे बोले- पिता लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, जेल में किया जा रहा प्रताड़ित

बांदा। पूर्वांचल के माफिया मुख्तार से जेल में मुलाकात के बाद बेटे अब्बास अंसारी और उमर ने प्रदेश सरकार को घेरा। कहा कि सरकार उनके विधायक पिता के मौलिक अधिकारों का हनन कर प्रताड़ित कर रही है। सर्वो'च न्यायालय में सब कुछ लिखित दिया गया है। समय आने पर सभी पर ठीक से कार्रवाई होगी। पिता विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। वर्ष 2022 में सत्ता बदल जाएगी। समय आ गया है। जनता खुद कापी जांचेगी। गुरुवार को मुख्तार अंसारी से मिलकर जेल से बाहर निकले दोनों बेटों ने बताया कि पिता का स्वास्थ्य ठीक है। 60 वर्ष की उम्र होने से कुछ न कुछ दिक्कत जरूर बनी रहती है। ऐसा सभी के साथ होता है। प्रदेश सरकार के अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। उलटी गिनती शुरू हो गई है। ज्यादा दिन परिस्थितियां ऐसी नहीं रहेंगी। देश में हमेशा से संविधान व लोकतंत्र का बोलबाला रहा है। मौजूदा सरकार

सोचती है कि इंसान के मौलिक अधिकारों का हनन कर दें तो वह परेशान हो जाएगा। शायद वह यह नहीं जानती कि इस देश ने अंग्रेजों को लड़कर बाहर निकाला था। हम उस परिवार से हैं, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़कर देश को आजादी दिलाई है।

कानपुर देहात में बच्चे को गोद में लिए युवक पर पुलिस के लाठी चार्ज पर वरुण गांधी का ट्वीट, बहुत कष्टदायक

लखनऊ। केन्द्र के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार पर लगातार हमला बोलने वाले भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने कानपुर देहात में बच्चे को गोद लिए युवक पर दारोगा के लाठी बरसाने के मामले पर ट्वीट किया है। लखनऊ में शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज के मामले में सरकार पर कटाक्ष करने वाले पीलीभीत से भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने कानपुर देहात के इस मामले में पुलिस पर तंज कसा है। पुलिस ने इस प्रकरण पर सफाई देने के साथ ही दारोगा को सस्पेंड कर दिया है। वरुण गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट किया है कि सशक्त कानून व्यवस्था वो है जहां कमजोर से कमजोर व्यक्ति को न्याय मिल सके। यह नहीं कि न्याय मांगने वालों को न्याय के स्थान पर इस बर्बरता का सामना करना पड़े,यह बहुत कष्टदायक है। भयभीत समाज कानून के राज का उदाहरण नहीं है। सशक्त कानून व्यवस्था वो है जहां कानून का भय हो, पुलिस का नहीं। इससे

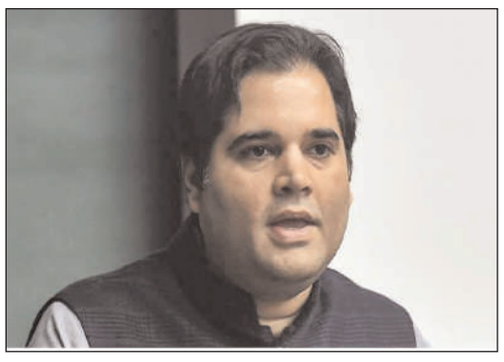

पहले भी पीलीभीत से सांसद व बीजेपी नेता वरुण गांधी ने बीते रविवार को 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज का वीडियो ट्वीट किया है। वीडियो ट्वीट करते हुए वरुण गांधी ने योगी आदित्यनाथ सरकार से सवाल भी किया था। लिखा था कि यह बच्चे भी मां भारती के लाल हैं, इनकी बात मानना तो दूर, कोई सुनने को तैयार नहीं है। इस पर भी इनके ऊपर ये बर्बर लाठीचार्ज। अपने दिल पर हाथ रखकर सोचिए क्या ये आपके बच्चे होते तो इनके साथ यही व्यवहार होता। आपके पास रिक्तियां भी हैं और योग्य अभ्यर्थी भी, तो भर्तियां क्यों नहीं। यह नहीं कि न्याय मांगने वालों को न्याय के स्थान पर इस बर्बरता का सामना करना पड़े,यह बहुत कष्टदायक है। भयभीत समाज कानून के राज का उदाहरण नहीं है। गौरतलब है कि गुरुवार को कानपुर देहात में उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मी का अमानवीय चेहरा एक बार फिर सामने आया। यहां पर दारोगा ने गोद में बच्चा लिए हुए शख्स पर लाठियां बरसा दी।

संक्षिप्त खबरें

उपेक्षा का दंश झेल रहा मुफ्तीगंज में बना शहीद स्तम्भ

प्रखर केराकत जौनपुर। मुफ्तीगंज बाजार के मध्य में बने महात्मा गांधी चौबूतरा के पास कूड़े में तब्दील शहीद स्तम्भ की खबर "शूरवीरों के बलिदान को भूला देश" "कूड़े के ढ़ेर में तब्दील हुआ शहीद स्तम्भ" नामक शिर्षक से खबर गत दिवस तेजस टुडे ने प्रकाशित किया था। खबर को जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधि तो सुध नही ली पर खबर को संज्ञान में लेते हुए ग्रामवासियों ने शहीद स्तम्भ की साफ सफाई की। गौरतलब हो कि महात्मा गांधी चौतरा के पास स्थित शहीद स्तम्भ के सम्बन्ध में राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव से टेलीफोनिक वार्ता कर शहीदों के शहादत के हो रहे अपमान से अवगत कराते हुए शहीद स्मारक के जीर्णोद्धार की मांग की गई। परन्तु एक पखवारा बीत जाने के बाद भी राज्यमंत्री की तरफ से शहीद स्तम्भ की सुध लेने न कोई राजनेता आया न ही कोई प्रसाशनिक मुलाजिम। सेना और शहीदों के सम्मान की बात करने वाली भाजपा के राज्यमंत्री के शहीद स्तम्भ के प्रति उदासीन रवैये से क्षेत्रीय जनमानस में रोष साफ नजर आ रहा है। बता दे कि क्रांतिकारी जंगबहादुर पाठक ने कभी भी अंग्रेजो की अधीनता को स्वीकार नही की अंग्रेजी हुकूमत के खिलास जंगे ऐ आजादी में कूद पड़े और 44 अंग्रेजों को जौनपुर शाही पुल के पास मार गिराया था !धोके से अंग्रेजी हुकुमत ने पसेवा गॉव के समीप पकड़ कर एक महीने के कारावास में रखकर उनके साथ बर्बता की सारी हदें पार की गयी जिससे कारण उनका निधन हो गया !उनकी वीरता व शौर्य की याद मेंमुफ्तीगंज बाजार के मध्य में शहीद स्तम्भ का निर्माण कराया गया था जो आज कूड़े के ढेर में तब्दील हो चुका है।

साहित्यकार सिद्धनाथ गुप्त हुए सम्मानित

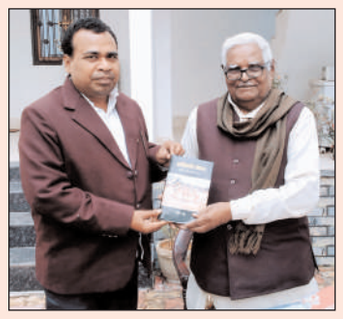

प्रखर अहरौरा (मिजार्पुर)। विंध्याचल मंडल के प्रख्यात साहित्यकार सिद्धनाथ गुप्त को आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत साहित्य, कला, संस्कृति के क्षेत्र में अनवरत रूप से कार्यरत विंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार केसरवानी द्वारा साहित्य, समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार केसरवानी द्वारा उनके निज आवास पर अंगवस्त्रम एवं साहित्यकार प्रतिभा देवी द्वारा रचित, केंद्रीय हिंदी निदेशालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित आदिवासी जीवन पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। श्री गुप्त प्रख्यात साहित्यकार,जय हिंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अहरौरा के पूर्व हिंदी एवं कला के प्रवक्ता, वनस्थली महाविद्यालय अहरौरा मिजार्पुर के पूर्व प्राचार्य ऐसे महत्वपूर्ण पद पर कार्य कर चुके हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के निदेशक ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि- "अहरौरा नगर पुरातात्विक, ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक स्थलों से भरपूर नगरी रही है और इस क्षेत्र का आदिकाल से देश में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इस नगर का संबंध प्रख्यात हिंदी के उपन्यासकार देवकीनंदन खत्री, जय शंकर प्रसाद जैसे महान साहित्यकारों से रहा है। इस नगर में अनेकों विद्वान, साहित्यकार पैदा हुए हैं जिनमें वर्तमान समय में सिद्धनाथ गुप्त का महत्वपूर्ण स्थान रहा है इनकी प्रकाशित कृति अहरौरा का श्री कृष्ण राधा मंदिर (पर्यटन एवं इतिहास के झरोखे से) नानक गुरु गोविंद सिंह, वनस्थली महाविद्यालय उद्भव एवं विकास आदि कृतियां अहरौरा के साहित्य , कला, धर्म संस्कृति पर प्रकाश डालती हैं। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार हर्षवर्धन केसरवानी ने किया। डॉ० चंद्रभान गुप्ता, डॉ० संजय श्रीवास्तव, मनोज कुमार, उमेश केसरी, दिलीप कुमार, कीर्ति कुमार, कृष्ण कुमार, आदर्श कुमार मोदनवाल, सौरभ कुमार मोदनवाल, सोनू कुमार मोदनवाल, सुमित कुमार मोदनवाल, मीरा गुप्ता, राधा गुप्ता, वैशाली, कल्याणी, साक्षी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सार्थक सेवा फाउंडेशन ने जरूरतमंदो में किया कम्बल एवं खाद्य सामग्री वितरण

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। समय-समय पर सामाजिक जिम्मेदारियों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली सामाजिक संस्था सार्थक सेवा फाउंडेशन की तरफ से शुक्रवार को बढ़ती ठंड को देखते हुए कम्बल वितरण किया गया।संस्था की सदस्य रीता गोस्वामी द्वारा सामने घाट साई मंदिर में 51 गरीबो एवं जरूरतमंदो में कंबल और कुछ खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।अध्यक्ष पूजा गिरी ने उनके इस सराहनीय कार्य के लिए उन्हे धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

सीतापुर में रिसेप्शन पार्टी में दूल्हे के दोस्तों ने दुल्हन के भाई को पीटा, वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल

सीतापुर। शादी की रिसेप्शन पार्टी में दूल्हे के दोस्तों ने दुल्हन के भाई और कैमरामैन की पिटाई कर दी। मारपीट में एक युवक घायल हुआ। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को कोतवाली लाई। झगड़े की वजह शादी के दिन हुआ विवाद बताया जा रहा है। इस घटना से जुड़ा वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है। गुरुवार देर रात शहर के मुहल्ला मुंशीगंज के गुड मैरिज लान में मन्नी चौराहा पर रहने में वाले नवीन की शादी का रिसेप्शन चल रहा था। कार्यक्रम के दौरान ही नवीन के दोस्तों का दुल्हन के भाई से विवाद हो गया। गाली-गलौज के बाद दोस्तों ने दुल्हन के भाई और कैमरामैन की पिटाई कर दी। कोतवाली पुलिस दोनों पक्षों को कोतवाली ले आई। कोतवाल टीपी सिंह ने बताया कि मैरिज लान में दूल्हा व दुल्हन पक्ष में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। कोतवाली लाया गया, जहां सुलह-समझौता हो गया।

दो दिन पहले महोली में हुई थी शादी : बताया जा रहा है कि नवीन की शादी रिसेप्शन के दो दिन पहले महोली में हुई थी। बारात में दूल्हे के भाई से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर दूल्हे के दोस्तों ने दुल्हन के भाई से मारपीट की।

मारपीट का वीडियो भी हुआ वायरल : मैरिज लान में हुए विवाद का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ। युवक डीजे पर लड़ाई-झगडा करते दिख रहे हैं । विवाद काफी देर तक चला। झगड़े की जानकारी पर पास पड़ोस के लोग भी जमा हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंचने के बाद ही मामला शांत हुआ।

समानता-असमानताओं को कम करना, मानवाधिकारों को बढ़ाना हैं- संजय

चकिया/चंदौली। संस्था मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान लहरतारा वाराणसी के तत्वाधान में अनौपचारिक शिक्षा

केंद्र (ट्यूशन केंद्र) पर विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर शुक्रवार को समाज के अंतिम व्यक्ति या सुख सुविधाओं से वंचित लोगों के अधिकारों पर चर्चा किया गया,साथ ही संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों समानता ,स्वतंत्रता इत्यादि बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। जिससे कि प्रत्येक दलित समुदाय का हितैषी बनकर काम करने की जरूरत है, समाज में समानता को स्थापित करके असमानताओ को दूर किया जाए और मानवाधिकार को बढ़ाया जाए। वहीं समुदाय के सीवीसी लीडर कामेश्वर बनवासी ने कहा कि जानकारी के अभाव में हमारे समुदाय के लोग अपने हक -अधिकार इत्यादि को समझ नहीं पा रहे हैं। जिससे की शिक्षा से वंचित रह जा रहे है और बाल श्रम में फस जा रहे है जिसको कि शिक्षा के माध्यम से ही दूर किया जा सकता है। और समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार की सुरक्षा एवं न्याय पाने के रास्ता को दिखाता है कि हम सभी अपने मानव अधिकारों की बारे में जान सकते हैं। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर बाल पंचायत के बच्चों के द्वारा अपने मौलिक अधिकार के बारे में बारे में चर्चा किया गया और चित्रकला प्रतियोगिता की गई जिसमें मानवाधिकार से संबंधित तस्वीर का चित्र बनाया गया और गांधी राष्ट्रीय इंटर कॉलेज सदलपुरा में बच्चों के साथ मिलकर विश्व मानवाधिकार पर चर्चा किया गया।

जिसमें कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार सर और वरिष्ठ अध्यापक स्वामीनाथ मौर्य के द्वारा मानव अधिकार और उससे संबंधित आयोग एवं उसके कार्य प्रणालियों पर चर्चा किया गया । चकिया क्षेत्र के ग्राम कटरिया, करवदिया, धनरिया, पीतपुर नौडीहा, डिग्घी इत्यादि 15 गावों के वनबासी समुदाय के लोगों ने हर्षोल्लास के साथ विश्व मानवाधिकार दिवस मनाये। जिसमें संस्था के कार्यकर्ता शिवम , अरविंद , शाक्या चन्द्र गौतम, सुनील पाल , सावित्री , विनीता , मीरा , देवेंद्र कुमार, गुलाब आदि लोग मौजूद रहे । कार्यक्रम का संचालन मुकेश कुमार ने किया।

सास-बहू बेटा सम्मेलन में महिलाओं को किया गया पुरस्कृत

शिकारगंज /चंदौली। स्थानीय क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय शिकारगंज स्थित शुक्रवार वार को सास-बहू बेटा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी, आशा और गांव की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। जिसमें सभी को स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई , साथ ही सास और बहुओं में सहयोग पूर्ण भाव बनाए रखने पर जोर दिया गया। इस मौके पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चकिया के प्रभारी डा विकास कुमार सिन्हा ने शासन की ओर से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए परिवार नियोजन अपनाना जरूरी है। उन्होंने विवाह की सही उम्र तथा दो बच्चों के बीच का अंतर रखने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थायी साधनों के बारे में चर्चा करते हुए महिलाओं के गर्भ धारण से लेकर शिशु जन्म तक के टीकाकरण एवं उसकी देखभाल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कहा कि सास-बहू के मीठे एवं सहयोगपूर्ण संबंधों की आधारशिला पर ही स्वस्थ शिशु एवं सुरक्षित गर्भ की कल्पना साकार होगी। शिशु के जन्म के समय से छह माह तक स्तनपान कराने पर विशेष ध्यान रखने की सलाह देने के साथ ही साफ-सफाई रखने पर विशेष बल दिया। अध्यक्षता कर रहे डा शिवप्रकाश ने कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आयोजक की तरफ से सम्मेलन में उपस्थित महिलाओं को उपहार भेंट किया गया। कार्यक्रम में सास-बहू के साथ ही आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने भाग लिया। इस दौरान एचईओ शिवप्रकाश सिंह, डा जयराम,बीसीपीएम, बृजेश कुमार,बीएएम विजय कुमार मौर्य, संजय सिंह, राघवेन्द्र तिवारी, नवीना टर्की, मिनाक्षी सहित कई स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

भारत रत्न विभूषित सी. राजगोपालाचारी चक्रवर्ती की मनायी गयी जयंती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत रत्न विभूषित सी.राजगोपालाचारी चक्रवर्ती की जयंती 10 दिसम्बर को मनाया गया राष्ट्रवादी चिंतक मंच के द्वारा अरविंद सिंह एडवोकेट अमृत महोत्सवकी कड़ी में स्वाधिनता के समर में दक्षिण भारत के स्वतन्त्रता सेनानी और कुशल प्रशासक, क्रांतिकारी बदलाव आया प्रेसीडेंसी मद्रास में हिंदी साहित्य को पाठ्यक्रम में शामिल कराए। भारत रत्न विभूषित सी, राजगोपालाचारी चक्रवर्ती का जन्म मद्रास प्रेसीडेंसी थोरापल्ली में हुआ था वे लॉ की पढ़ाई करने के बाद प्रैक्टिस शुरू कर दिए। और स्वतंत्रता सैनानियों का केस लड़ने लगे। 1920 में असहयोग आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे हिंदी साहित्य के प्रति अटूट विश्वास और भरोसा था। उन्हे विश्वास था कि हिंदी भाषा ही पूरे देश को एक सूत्र में बांध सकती है। गांधी जी को एक सहयोगी की जरूरत थी, वकोम आंदोलन ,1930 में आंदोलन में जेल भी जाना पड़ा नमक सत्याग्रह में गांधी

जी के साथ मिलकर प्रमुख भूमिका निभाई थी । गांधी जी नमक सत्याग्रह आंदोलन गुजरात में किया था। सी. राजगोपालचारी ने गांधी जी के नमक आंदोलन को गति प्रदान करने हेतु वेदारण्यम आंदोलन को समर्थन में किया।1937 मे मद्रास प्रेसीडेंसी के प्रमुख बने। सभी शिक्षण संस्थानों में हिन्दी को अनिवार्य रूप से लागू किया ।1947 के अंतिम जनरल गर्वनर थे।1950 में गण राज्य घोषित किया गया।भारत रत्न की उपाधि से विभूषित किया गया इन्होने रामायण लिखी हिंदी साहित्य में अनेक पुस्तकें प्रकाशित हुई।1957 में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़े जीते भी। 25 दिसम्बर 1972 को 94 वर्ष की अवस्था में परलोकवासी हो गए। राष्ट्रवादी चिंतक मंच के प्रधान कार्यलय मे अयोजित समारोह में चर्चा हुई श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया । प्रमुख रुप से समाजसेवी अरविंद कुमार सिंह एडवोकेट, सज्जन कुमार सीए,संस्था के राष्ट्रीय महासचिव शैलेन्द्र श्रीवास्तव एडवोकेट दीवानी, समाजसेवी राजेश राय, गोकुल आर्ट के मोतीलाल गुप्ता रंगकर्मी,एके सिंह ,रवि सरोज आदि उपस्थित थे।

थानागद्दी भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के मंडल संयोजक ने स्वर्गीय विपिन रावत जी को श्रद्धांजलि दी

प्रखर जौनपुर। शुक्रवार को स्थानीय बाजार थानागद्दी में मण्डल संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ श्री पंकज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में भाजपाइयों ने भारत के जांबाज सीडीएस स्वर्गीय विपिन रावत जी को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि करने हेतु भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंडल संयोजक भाजपा श्री पंकज कुमार मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि सीडीएस श्री रावत जी का आकस्मिक निधन राष्ट्र की बहुत बड़ी क्षति है, भगवान अखंड भारत वर्ष को एवं समस्त भारतवासियों को यह शक्ति प्रदान करें कि हम इस आपदा से से

लड़ने के लिए सक्षम हो और श्री रावत जी के परिवार के सदस्यों को शक्ति प्रदान करें एवं उनके साथ जितने भी लोग इस दुर्घटना में इनका निधन हुआ उनके परिवारों को यह असहनीय दुख सहने की क्षमता प्राप्त हो। पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि वीर मृतकों के बलिदान और आत्मा की शांति के लिए भी एक शांति पाठ का आयोजन किया जाएगा और उन सभी के परिवारों के लिए भगवान से कामना की जाएगी कि दुख की घड़ी में उन्हे पूरी शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित प्रबुद्धजन, मीडियाकर्मी, शिक्षक प्रकोष्ठ के सदस्य, एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति के पदाधिकारियों व पटरी व्यवसायियों संग हुई बैठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति के सम्मानित पदाधिकारियों व पटरी व्यवसायियों संग नगर निगम कर्मचारी संघ भवन में कंफेडरेशन ऑफ फ्री ट्रेड यूनियन ऑफ इंडिया के बैनर तले बैठक सकुशल

संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से कंफेडरेशन ऑफ फ्री ट्रेड यूनियन ऑफ इंडिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती माया पांडेय,श्रम अधिकारी पंकज कुमार सिंह ,राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जिला अध्यक्ष श्री शशिकांत श्रीवास्तव , तुलसीपुर वार्ड पार्षद पुन्नू लाल बिंद ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक मनोज कुमार ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक वाचस्पति मिश्रा ,जल संस्थान वाराणसी श्री अवधेश नारायण चतुवेर्दी ,जल संस्थान वाराणसी सुरेंद्र नारायण श्रीवास्तव जी,जल संस्थान वाराणसी प्रवीण वर्मा ,श्रीमती सरस्वती जी,मोनिका पाण्डेय ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह महादेव जी,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम व शिवपुर के अध्यक्ष शिवनाथ सोनकर सैकड़ों पदाधिकारी व पटरी व्यवसायी गण उपस्थित थे ।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने स्थापना दिवस पर किया पत्रकारों को सम्मानित

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के लतीफपुर गांव स्थित गणेश ढाबा पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन का स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार दोपहर 12:00 बजे मनाया गया इस मौके पर टाउन एरिया के अध्यक्ष राजेश सिंह ने नगर के पत्रकारों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश सिंह ने कहा कि पिछड़ों गरीब और समाज में निचले तबकों की आवाज इसी प्रकार शासन एवं प्रशासन के बीच में संस्था के गाने पहुंच पाती है हम लोग दबे कुचले लोगों की आवाज को जिले स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पहुंचाने का काम करते हुए न्याय दिलाने का काम करते रहना है। इस अवसर पर उपस्थित रहने वालों ने राजेश सिंह अध्यक्ष,धीरज केशरी,नीरज केशरी,प्रवीण कुमार मौर्य,पप्पू सोनखर,राघवेंद्र सिंह, कमलेश सिंह, अली मोहम्मद तौसीफ अहमद समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शौच करने गई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

परिजनों ने दुष्कर्म कर हत्या का लगाया आरोप, हत्या के बाद ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

प्रखर जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मतापुर मुहल्ले के वाराणसी, लखनऊ राज्य मार्ग पर लोगों ने एक महिला के साथ हुए दुष्कर्म व हत्या के कारण चक्का जाम कर दिया। बताया गया है की गुरूवार की शाम 7:00 बजे जफराबाद थाना क्षेत्र के जगदीशपट्टी गांव की रहने वाली एक महिला अपने घर से निकली। महिला जब ज्यादा समय होने के बाद भी अपने घर वापस नहीं पहुंची तो परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दिया। कुछ घंटों बाद परिजनों को यह सूचना मिली की मतापुर के पास एक महिला की लाश मिली है तो परिजन वहां फौरन पहुंच गए और लाश की पहचान किया। फिलहाल परिजनों का कहना है कि महिला के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई है। जिस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिसको लेकर क्षेत्रवासियों ने वराणासी लखनऊ राज्य मार्ग पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे

लगाए । मौके पर पुलिस के उच्चधिकारियों समेत अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय कुमार क्षेत्रधिकारी नगर जितेंद्र कुमार दुबे प्रभारी निरीक्षक लाईन बाजार अखिलेश कुमार मिश्रा, थानाध्यक्ष जफराबाद योगेंद्र कुमार सिंह, सहयोगी जवानों के साथ पहुंच गये और कार्यवाही करने का पूरा आश्वासन देकर जाम समाप्त कराया। पुलिस ने मृतका मंजू देवी 42 वर्ष पत्नी आमोद कुमार सिंह की लाश को कब्जे में लेकर जहां पोस्टमाटम के लिये भेज दिया वहीं अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 302 आईपीसी के तहत मामला जफराबाद पुलिस ने दर्ज कर लिया है।

जन संदेश यात्रा का जौनपुर आगमन पर जोरदार स्वागत

प्रखर जौनपुर। गोडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा प्रदेश भर मे चल रहे समाजवादी सरकार बनायें "जन संदेश यात्रा" का जौनपुर आगमन पर समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर सपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव के नेतृत्व मे जोरदार स्वागत कर सभा का आयोजन किया गया सभा को सम्बोधित करते हुए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरविन्द गोंडवाना ने कहा भारत के संविधान को भाजपा सरकार खत्म कर देना चाहती हैं जहां भाजपा सरकार दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया था आज उसका उल्टा कर रही है आज सभी सरकारी संस्थाओं को बेच रहे है गरीब परिवार का जीना दूर्लभ हो गया है इसलिए हमारी पार्टी ने समझा की अगर गरीबों को कोई न्याय दिला सकता है तो अखिलेश यादव ही दिला सकते है कहा 2022 का चुनाव गरीब कमजोर

बनाम अमीरजादों की लडाई की है अगर सम्मान से जीना है और अपने हक अधिकार को पाना है तो समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है अखिलेश यादव ही हक अधिकार दिलाएंगे सपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर ने कहा समाजवादी पार्टी हर जाति हर धर्म गरीब पिछले शोषित वंचित सबका सम्मान करती है और सब के हक अधिकार की लड़ाई लड़ती है और जब भी सरकार में रही है गरीब कमजोर हमेशा खुशहाल रहे हैं आज फिर जरूरत आ गई है कि हम लोग संकल्प ले 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनायेंगे कार्यक्रम में मुख्य रूप प्रदेश अध्यक्ष रामनाथ गौड़ मदन गौड लोक बहादुर गौड,अमरजीत गौड सपा प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी रुक्सार अहमद, विजय बागी श्याम नरायन बिन्द कमालुद्दीन अंसारी, मालती निषाद तारा त्रिपाठी, उषा यादव सोनी यादव, सीमा खाँन, माधुरी गौड, राजेश गौड काशीनाथ गौड डां वरुण गौड, विकास गौड डां राजबहादुर यादव, मजहर आसिफ, राजा समाजवादी अजीज फरीदी रणजीत गौड संचालन जिलाउपाध्यक्ष श्रवण जयसवाल ने किया।

सड़क की बदहाली देखकर भड़की विधायिका मड़ियाहू

प्रखर जौनपुर। मड़ियाहूं से लेकर भदोही तक की सड़क की बदहाली को देखकर विधायिका मड़ियाहूं डॉ लीना तिवारी भड़क उठी , टूटी-फूटी सड़कों और जनता के समस्या को देखकर विधायिका ने एक्सईएन को बुलाकर सड़कों का निरीक्षण कराया और तुरंत सड़क की मरम्मत का निर्देश दिया , जानकारी हो कि जौनपुर मिजार्पुर मार्ग पर मड़ियाहूं से लेकर भदोही जिले की सीमा तक सड़क अपनी बदहाली की कहानी खुद ही कह रही है , इस रास्ते से गुजरने वाले राहगीर आए दिन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं ,सड़क पर इतनी धूल उड़ती है कि लोगों का आना जाना दूभर हो गया है , सड़क पर उभरी गिट्टियां दुर्घटना को दावत दी रही हैं ,जनता की समस्या को देखकर विधायक मड़ियाहूं डॉ लीना तिवारी ने वाराणसी से एक्सईएन को बुलाकर जमालापुर से रामपुर तक की सड़कों को दिखाया और निर्देश दिया कि तुरंत इस पर मरम्मत कार्य किया जाए ,जिससे कि राहगीर आसानी से इस रोड सड़क पर आवागमन कर सकें , मड़ियाहूं से भदोही तक सड़क इतनी खराब है

कि लोग कई किलोमीटर दूर दूसरे रास्ते से आ जा रहे हैं जो अनजाने में इस सड़क से गुजर रहा है उसकी हालत बदतर हो जा रही है इस संबंध एक्सईएन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि फॉरेस्ट विभाग की वजह से कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है कार्यदाई संस्था को टेंडर दिया जा चुका है एक माह में सड़क का निर्माण कार्य चालू हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

केवी आयर में खेलकूद समारोह का आयोजन

प्रखर वाराणसी। केंद्रीय विद्यालय आयर वाराणसी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने कोरोना के नियमों का पालन करते हुए अपनी प्रतिभा दिखाई। खेलकूद समारोह के दौरान कबड्डी, लंबी कूद, बैलून खेल, ड्रेस प्रोग्राम, लेमन रेस, फ्रॉग रेस, सेंक रेस, व म्यूजिकल चेयर इत्यादि प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में आयुष राय, अंश मौर्या, अंशिता शर्मा, अंकित पाल, प्रसंया, सृष्टि पांडे, अंजलि, श्रेयांश अपूर्व, अर्चित एवं उनकी टीमों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा दिखाई। आस्था, आर्यन व रति पाल ने उच्च कोटि का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को लेकर केंद्रीय विद्यालय आयर के प्राचार्य अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनो से विद्यार्थियों में अनुशासन एवं टीम में कार्य करने की क्षमता उत्पन्न होती है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ सुनीता चिकित्सा अधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं सदस्य केंद्रीय विद्यालय प्रबंध समिति आयर रही। इस अवसर पर शमिंद्र सिंह, एसबी सिंह, श्री राम कुमार, सुनील कुमार भारती, संजय कुमार, प्रशांत शुक्ला, दिनेश चंद्र, राजेश पटेल सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

केराकत पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय व क्षेत्राधिकारी केराकत महोदय के पर्यवेक्षण एवं दिशा झ निर्देशन में थाना केराकत जौनपुर पुलिस द्वारा प्र0नि0 केराकत लक्ष्मण पर्वत के नेतृत्व मे आज दिनांक 10.12.2021 को माननीय न्यायालय द्वारा जारी एनबीडब्लू वारण्ट प्रोसेस सम्बन्धित मु0नं0 1055/2020 धारा 128 सीआरपीसी - मे फरार चल रहे वारण्टी - राकेश पुत्र इन्द्रमणि नि0 नरहन चकरारेत थाना केराकत जनपद जौनपुर मा0 न्यायालय अपर प्रधान न्यायधीश चतुर्थ जौनपुर द्वारा जारी वारण्ट के तहत वारण्टी को उसके घर से समय 05.30 बजे प्रातः गिरफ्तार कर चालान सम्बंधित माननीय न्यायालय किया गया ।

बेटी बचेगी तभी सभ्यता बेचेगी- डॉ अर्चना

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक के कम्पोजिट विद्यालय रतनपुर में भाजपा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी को बेटी बचाओ की जिला संयोजक डॉ अर्चना उपाध्याय ने कहाकि बेटी जब बचेगी तभी हमारी संस्कृति व सभ्यता बचेगी और जब बेटी शिक्षित होगी तो पूरा समाज शिक्षित होगा। आज जो समाज मे विकृति है वह अशिक्षा के चलते है। इसके पूर्व उपस्थित महिलाओं को साफ सफाई करने के साथ स्वच्छता को अपने और बच्चो के जीवन मे उतारने का संदेश दिया गया। इस दौरान केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बाबत विस्तृत जानकारी देते हुए लाभ उठाने का आह्वान किया। संचालन ब्लॉक संयोजक पूजा गौतम ने किया। इस दौरान अनुराग मिश्रा, रेखा , अनिता, दिलीप मिश्र, पूजा गौतम, प्रभावती देवी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी चिंतक मंच ने सर्वोच्च सेना अधिकारी सीडीएस विपिन रावत को किया श्रद्धा सुमन अर्पित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत राष्ट्र के सर्वोच्च सेना अधिकारी सीडीएस श्रद्धेय विपिन रावत का 8 दिसम्बर को कुन्नूर में हेलीकॉप्टर से दुर्घटना में पत्नी सहित शहीद हो गए पूरा देश मर्माहत हो गया। राष्ट्रवादी चिंतक मंच के प्रधान कार्यालय में उपस्थित सभी सम्मानित बंधु ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रमुख रुप से अरविंद कुमार सिंह , समाज सेवी राजेश राय , कन्हैया लाल संगतानी, शैलेन्द्र श्रीवास्तव एडवोकेट दीवानी न्यायालय, संस्था के राष्ट्रीय महासचिव,और संयोजक रामकुमार गुप्त सामाजिक कार्यकर्ता सहित इत्यादि लोग शामिल रहे ।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं